वर्षः 7- अंकः 157, मुंबई, शनिवार, 12 अगस्त, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

गोरखपुर में भीषण हादसा

गोरखपुर। अस्पताल में ऑक्सीजन की सप्लाई ठप होने से 30 मासूम मौत की आगोश में समा गए। ये घटना गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज की है, जहां मरने वालों में 13 बच्चे एनएनयू वार्ड और 17 इंसेफेलाइटिस वार्ड में भर्ती थे। बताया जा रहा है कि 69 लाख रुपये का भुगतान न होने की वजह से ऑक्सीजन सप्लाई करने वाली फर्म ने ऑक्सीजन की सप्लाई गुरुवार की रात से ठप कर दी थी। दरअसल अस्पताल में लिक्विड ऑक्सीजन तो गुरुवार से ही बंद थी और शुक्रवार को सारे सिलेंडर भी खत्म हो गए।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

30 बच्चों की दर्दनाक मौत

स्वतंत्रता दिन पर
विशेष छूट
समोसा ₹ 13/- 9/-
जलेबी ₹ 460/- 380/-
मकाई चिवडा ₹ 280/- 220/-
Scheme For 14,15 Aug. Only
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com

मेरा 'भारत बार' महान

मनपा आयुक्त अजोय मेहता की कब खुलेगी जुबान

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

ओमकार बिल्डर पर कार्रवाई शीघ्र!

बिल्डर बाबू लाल वर्मा मंत्री, नेता और अधिकारियों को करवाता है 'मजे'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने मंत्री प्रकाश मेहता और शिवसेना नेता सुभाष देसाई पर लगे हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप की जांच के लिए लोकायुक्त को आदेश दिया है

मंबई। महाराष्ट्र के गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता और शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता सुभाष देसाई पर हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बाद मुंबई के बिल्डर माफिया में आतंक छाया हुआ है। क्योंकि आगामी स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त के बाद कानून का शिकंजा उन बिल्डरों पर कसने वाला है जिन्होंने मंत्री, नेता और अधिकारियों को रिश्वत खिलाकर अपनी निर्माण कंपनी के जरिए लोगों को लूटने का खेल जारी कर रखा है। इसमे सबसे पहला नाम ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स का है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बाबू लाल वर्मा
ओमकार बिल्डर

राजीव अग्रवाल
मैनेजर

निहलानी आउट प्रसून जोशी इन

नई दिल्ली। पहलाज निहलानी को हटाकर मशहूर गीतकार प्रसून जोशी को सेंसर बोर्ड का नया अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं दिग्गज अभिनेत्री विद्या बालन को सेंसर बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। अपने कार्यकाल के शुरूआती समय से ही पहलाज निहलानी विवादों में छाए रहे।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र सरकार ने SC से मांगी इजाजत
बीफ के लिए मारने दो छापा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सांड और बैल का मांस रखने के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका दायर कर सरकार ने बीफ के लिए घरों में छापे मारने की इजाजत मांगी है। इससे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपनी व्यवस्था में कहा था कि यदि ऐसे पशुओं का वध राज्य के बाहर किया गया है तो उनका मांस रखना अपराध नहीं है। हाई कोर्ट के इस फैसले से पहले बीफ को लेकर अलग व्यवस्था थी। बीफ के शक पर पुलिस को किसी से भी पूछताछ करने और छापे डालने का अधिकार था। हालांकि, राज्य में 1976 से ही गायों के वध पर प्रतिबंध है। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के पिछले साल 6 मई के फैसले को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र पशु संरक्षण (संशोधन) कानून, 1995 की धाराएं 5 (डी) और 9 (बी) यह कहते हुए निरस्त कर दी थीं कि इनसे लोगों के 'निजता के अधिकार' का हनन होता है। इन धाराओं में राज्य के भीतर या बाहर वध किए गए पशुओं का मांस रखना अपराध बनाने के साथ ही इसके लिए दंड देने का प्रावधान था।

हाई कोर्ट ने सिर्फ ऐसा मांस रखने को ही अपराध बताने वाले इन प्रावधानों को 'असंवैधानिक' करार देते हुए कहा था कि राज्य के भीतर वध किए गए पशुओं का मांस 'जानते हुए भी रखना' अपराध होगा। जज आरके अग्रवाल और जज एएम सप्रे की पीठ राज्य सरकार की अपील पर शुक्रवार को सुनवाई करेगी। वकील निशांत आर कन्नेश्वरकर के माध्यम से दायर अपील में 1995 के कानून में गाय, बैल या सांड का मांस रखने पर लगाए गए प्रतिबंध की 'निजता के अधिकार' के अतिक्रमण के रूप में व्याख्या नहीं की जा सकती है। याचिका में कहा गया है कि हाई कोर्ट ने निजता के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 प्रदत्त व्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हिस्सा बताने के निष्कर्ष पर पहुंचते हुए इस पर विचार करना चाहिए था कि निजता का अधिकार अभी तक मौलिक अधिकार नहीं बना है।

याचिका के अनुसार हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि खुद को निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी व्यक्तियों पर नहीं होगी बल्कि अभियोजन को यह सिद्ध करना होगा कि व्यक्ति ने कानून का उल्लंघन किया है। हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में महाराष्ट्र सरकार द्वारा सांडों और बैलों का वध करने पर लगाया गया प्रतिबंध सही ठहराया था परंतु उसने ऐसे पशुओं का मांस रखने को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था बशर्ते इनका वध राज्य के बाहर किया गया हो।

मुंबई में 24 घंटे खुली रहेगी दुकानें

मुंबई। मुंबई में दुकान, होटल, उपहार गृह, थिअटर, सार्वजनिक मनोरंजन और व्यावसायिक प्रतिष्ठान 24 घंटे खुले रखने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने कुछ शर्तें के साथ 24 घंटे दुकानें खोलने वाले विधेयक की मंजूरी दे दी है। गुरुवार को महाराष्ट्र दुकान व आस्थापना अधिनियम संशोधन विधेयक विधानसभा में पास कर दिया गया है। विधेयक में कहा गया है कि 24 घंटे व्यवसाय चलाने के लिए काम की पाली को 3 भागों में बांटना होगा। 24 घंटे दुकान जारी रखने लिए दुकान मालिक को स्थानीय पुलिस से अनुमति लेनी होगी। वहां 10 कर्मचारी से अधिक होने पर उसका पंजीकरण करना अनिवार्य नहीं होगा। खुद के शपथपत्र व प्रामाणिक कागजपत्र के आधार पर सब सेवा ऑनलाइन दी जा सकती है। कर्मचारियों के लिए सभी कल्याणकारी योजना लागू लागू करना होगा। सरकार का कहना है कि इससे महिलाओं को नौकरी व रोजगार आसानी से उपलब्ध होगा। बिल में यह भी स्पष्ट किया गया है कि महिला कर्मचारी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करना होगा। महिलाओं को काम करने समय सुबह 7 बजे से 9 :30 बजे तक निर्धारित किया गया है। कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ ने महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न उठाया। उस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने

कहा कि महिलाओं की कार्यालयों में सुरक्षा के लिए पहले ही कानून बनाया गया है जिसमें रात पाली में काम करने वाली महिलाओं को घर तक छोड़ना, विशाखा गाइड लाइन लागू करना व मैटरनिटी लीव का प्रावधान है। जो कानून का उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र बोर्ड की किताबों से 'मुगल इतिहास' खत्म

मुंबई। महाराष्ट्र में सातवीं और नौवीं कक्षा की इतिहास की किताबों से मुगल काल के अध्याय हटा दिए गए हैं। इस कदम ने भाजपा नीत सरकार पर विपक्ष को हमलावर होने का मौका दे दिया है। विपक्ष ने भाजपा पर आरएसएस के एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। प्रदेश शिक्षा बोर्ड ने इतिहास की नई संशोधित पाठ्य-पुस्तकें जारी की हैं। इनमें मुख्य रूप से मराठा साम्राज्य की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके बाद से ही देवेंद्र फडनवीस सरकार विपक्ष के निशाने पर है। राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा, 'क्षेत्रीय भावनाओं को बढ़ावा देकर भाजपा इतिहास को बदलना चाहती है। हालांकि इतिहास सिर्फ इसलिए नहीं बदलेगा क्योंकि उसे नई किताबों में पढ़ाया नहीं जा रहा है। हमेशा गूगल उपलब्ध रहता है।

हसन अली मामले में ईडी ने की कई जगहों पर छापेमारी

मुंबई। पुणे निवासी हसन अली के मामले में ईडी ने गुरुवार को कई जगहों पर छापे मारे। एजेंसी का कहना है कि मनी लांड्रिंग के मामले में साक्ष्य जुटाने के लिए कार्रवाई की गई। हसन अली के खिलाफ ईडी ने छह साल पहले मनी लांड्रिंग के तहत कार्रवाई शुरू की थी। उनके बिजनेस पार्टनर काशीनाथ व कुछ अन्य लोगों पर भी शिकंजा कसा गया था। उसे गिरफ्तार करके जेल भी भेजा गया। 2015 में अदालत से जमानत मिलने के बाद वह बाहर हैं। 62 वर्षीय आरोपी का पुणे में घोड़ों का फार्म है। हसन और उसके साथियों के खिलाफ 2011 में मामला दर्ज करने के बाद ईडी ने पिछले साल भी उसके दर्जन भर ठिकानों पर रेड की थी। सीबीआइ ने भी इस साल की शुरूआत में हसन व उसके साथियों के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र व भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत केस दर्ज किया था। ईडी के एक अधिकारी का कहना है कि हसन के खिलाफ चल रहे मामले में नए साक्ष्य जुटाने के लिए छापे मारे गए। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कार्रवाई में क्या सुराग हाथ लगे। गौरतलब है कि देश का यह बेहद चर्चित मामला रहा है। खान पर पहली बार शक तब हुआ जब मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा ने 2007 में उसके कामकाज की पड़ताल शुरू की। राष्ट्रीय स्तर पर यह तब सुर्खियों में आया जब आयकर विभाग ने हसन अली को नोटिस दिया था कि वह पचास हजार करोड़ रुपये बतौर टैक्स अदा करे। हालांकि आयकर विभाग के अपीलेट ट्रिब्यूनल ने इसे घटाकर बाद में 75 करोड़ रुपये कर दिया था। 2014 में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गठित एसआइटी ने भी हसन अली का बड़ा जालसाज माना था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मेरा 'भारत बार' महान

मनपा पी/नार्थ वार्ड अधिकारी मेहरबान

मनपा आयुक्त अजोय मेहता की कब खुलेगी जुबान

मुंबई। मालाड पश्चिम के एस.वी. रोड स्थित न्यू इरा सिनेमा के सामने सरस्वती दर्शन बिल्डिंग में चल रहे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार पर बीएमसी के आला अधिकारियों की नजरें कब पड़ेंगी, इसे लेकर अधिकारियों में ही संशय की स्थिति बनीं हुई है। क्योंकि इस भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार पर मनपा पी/नार्थ की वार्ड अधिकारी संगीता हसनाले की कृपा दृष्टि पडी हुई है। जबसे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार की खतरनाक स्थिति की खबरें मीडिया में लीक हुई हैं बीएमसी के आला अधिकारी इस बात से सहमे हुए हैं कि अगर भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार ध्वस्त होता है और लोग मारे जाते हैं तो इसका जिम्मेदार किसे माना जायेगा और वे लोग सरकार को क्या जवाब देंगे। जबकि मनपा पी/नार्थ की वार्ड अधिकारी संगीता हसनाले इन सब बातों से बेखबर भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार को अभयदान दे रखा है। शायद उन्होंने भी किसी बड़े हादसे की प्रतीक्षा है। उल्लेखनीय है कि भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार के मालिक ने ग्राउंड फ्लोर पर तो अपना धंधा तो फैला ही रखा है लेकिन ओपन टेरिस पर भी कब्जा जमाकर वहां भी धंधा शुरु

कर दिया है। कहा जाता है कि ओपन टेरिस पर धंधा जमाने के लिए इस भारत बार के मालिक ने काफी पुरानी और खतरनाक हो चुकी इस बिल्डिंग में काफी छेड़छाड़ की है। जिस कारण यह बिल्डिंग और भी ज्यादा खतरनाक हो गई है और कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है और मौके पर ही लोगों की मौत हो सकती है। लेकिन अफसोस की बात है कि भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार मालिक की इस जानलेवा कार्रवाई पर मनपा पी/नार्थ की वार्ड अधिकारी संगीता हसनाले ने कोई कार्रवाई नहीं की। अगर कोई हादसा होता है और लोगों की जान जाती है तो इसका जिम्मेदार सिर्फ भारत बार मालिक ही नहीं, मनपा पी/नार्थ के अधिकारी भी होंगे। इस पूरानी बिल्डिंग में चल रहे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार की टेरिस पर अवैध निर्माण के कारण कभी भी हादसा हो सकता है और घाटकोपर में बिल्डिंग ध्वस्त होने जैसी घटना मालाड में भी हो सकती है।

लेकिन बीएमसी ने अपनी आंख पर चढ़ी पट्टी अबतक नहीं खोली है। लोगों की जान का दुश्मन बन चुके इस भारत फैमिली रेस्टारेंट एंड बार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग जोर शोर से की जा रही है ताकि घाटकोपर हादसा यहां दोहरा न सके। घाटकोपर हादसे के बाद बीएमसी आयुक्त ने कड़ी निगरानी और कार्रवाई का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया लेकिन उसके बाद भी मालाड में भारत बार चल रहा है और मनपा आयुक्त अजोय मेहता इस मामले में अब तक खामोश हैं।

मनपा के मदद न करने से बेस्ट प्रशासन ने कर्ज लेकर कर्मचारियों को दिए वेतन

मुंबई। आर्थिक रूप से घाटे में चल रही बेस्ट को मनपा प्रशासन से किसी तरह का दिलासा नहीं मिल रहा है। बेस्ट व कर्मचारियों की जिम्मेदारी मनपा द्वारा उठाये जाने का आश्वासन शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा दिए जाने के बाद भी बेस्ट को लगभग 250 करोड़ रुपये कर्ज लेकर बेस्ट कर्मचारियों को वेतन देना पड़ा है। कर्मचारियों को आखिरकार समय पर वेतन मिलाने के साथ ही उद्धव ठाकरे के आश्वासन की पोल खुल गयी है।

गौरतलब है कि मुंबईकरों की दूसरी लाइफ लाइन कही जाने वाली बेस्ट आर्थिक रूप से घाटे में चल रही है। जिससे कर्मचारियों को पगार देने के साथ ही परिवहन सेवा देना मुश्किल हो रहा है। जिसे देखते हुए बेस्ट कर्मचारियों को समय पर पगार देने के साथ ही बेस्ट के बजट को मनपा समाविष्ट करने आदि

मांगों के लिए कर्मचारियों की कृति समिति ने 7 अगस्त को हड़ताल की थी। बेस्ट को बचाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा मनपा आयुक्त को बेस्ट के लिए राशि देने की सूचना की गयी थी। जिसे लिखित स्वरुप में देने की मांग कृति समिति ने मनपा आयुक्त से की थी। जिसे देने से आयुक्त के इंकार कर देने पर कृति समिति द्वारा हड़ताल किया गया था। इस हड़ताल से निपटने के लिए मातोश्री में शिवसेना पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे की मध्यस्थता में दोपहर के समय बैठक आयोजित की गयी थी। इस बैठक में उद्धव ठाकरे ने बेस्ट कर्मचारियों व वेतन की जिम्मेदारी मनपा द्वारा उठाये जाने का आश्वासन दिया था। जिसके बाद कृति समिति व कर्मचारियों द्वारा हड़ताल खत्म कर दी गयी। जिसके बाद आखिरकार 10 अगस्त को समय पर कर्मचारियों को वेतन दिया गया है। किन्तु आश्वासन के बाद भी मनपा द्वारा बेस्ट कर्मचारियों के वेतन के लिए राशि उपलब्ध नहीं करने से बेस्ट को लगभग 250 करोड़ रुपये कर्ज का बोझा उठाना पड़ा है। जिसमे से लगभग 120 करोड़ रुपये बेस्ट ने टाटा से खरीदे जाने वाले बिजली का पैसा दिया है व शेष 130 करोड़ रुपए व रोज जमा होने वाले पैसों से जमा 50 करोड़ मिलाकर कर्मचारियों को वेतन दिया गया है। बता दें कि बेस्ट के 44 हजार कर्मचारियों को महीने का पगार देने के लिए 180 करोड़ की जरुरत होती है जिसमे से 80 करोड़ रुपये उनके बैंक खाते में भेज दिया जाता है। जबकि शेष 100 करोड़ रुपये कर्मचारियों के पीएफ, बिमा हप्ता व कर्ज के हप्तों के लिए 100 करोड़ रुपये का बोझा पड़ता है। जिसका भुगतान कर पाना बेस्ट के लिए असंभव हो रहा है।

हीरा कंपनी के मैनेजर ने अपनी महिला कर्मचारी से की गंदी बात

मुंबई। मुंबई की एक हीरा कंपनी में मैनेजर के 19 साल की कर्मचारी के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। एक बड़ी डायमंड फर्म के प्रोडक्शन मैनेजर ने 19 साल की कंपयूटर ऑपरेटर से कहा कि वो बेहद हॉट और सेक्सी है। एक बार अगर वो उसके साथ सो जाए तो वो उसके सारे ख्वाबों को पूरा कर देगा और करियर बना देगा। खबर के अनुसार, इस बात को लेकर जब लड़की ने मुंबई के अंधेरी स्थित इस फर्म के मालिक से शिकायत की तो वो भी उसी पर चिल्लाया और चुपचाप काम करते रहने को कहा। इसके बाद लड़की ने पुलिस से संपर्क साधा और मामला दर्ज कराया। पुलिस ने 9 अगस्त को आरोपी मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया। लड़की ने बताया कि उसकी नौकरी से ही परिवार का खर्च चलता है। 1 अगस्त को वो ओवरटाइम कर रही थी, मैनेजर और स्टाफ के दूसरे लोग भी मौजूद थे।

शाम करीब 6 बजे सिक्योरिटी गार्ड ने उससे कहा कि मैनेजर उसे स्टोर रूम में बुला रहे हैं। वो वहां पहुंची तो उसने लड़की का हाथ पकड़ लिया और एक बार सेक्स के लिए कहने लगा। लड़की ने उसे झिड़का तो नौकरी से निकाल देने की बात कही। लड़की ने हिम्मत की और कंपनी के ह्यूमन रिसोर्स डिपार्टमेंट से इसकी शिकायत की। 3 अगस्त को फर्म का मालिक आया तो शिकायत करने को लेकर उसने लड़की को ही डांटा। इस पर भी लड़की ने हिम्मत नहीं हारी और पुलिस स्टेशन पहुंची, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

असुरक्षा का आकलन

उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने अपने पद से विदा होने के आखिरी वक्त जिस तरह यह कहा कि देश के मुसलमान खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं उस पर विवाद खड़ा होना और उससे असहमति जताया जाना स्वाभाविक है। इसलिए और भी, क्योंकि उन्होंने इतनी बड़ी बात अपना पद छोड़ते वक्त कही। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि वह मुस्लिम समाज को कथित तौर पर असुरक्षित देख रहे थे तो ऐसा कहने के लिए किस बात का इंतजार कर रहे थे? क्या अपने कार्यकाल की समाप्ति का? क्या वह ऐसी बात तब भी कहते जब उनका नाम किसी अन्य उच्च पद के लिए तय हो गया होता? एक अन्य सवाल यह भी है कि आखिर वह इस नतीजे पर कब और कैसे पहुंचे कि मुस्लिम डर के साये में रह रहे हैं? यह संभव नहीं कि वह हाल-फिलहाल ही उस नतीजे पर पहुंचे हों जो उन्होंने बतौर उपराष्ट्रपति अपने अंतिम साक्षात्कार में कही। अच्छा होता कि वह समय रहते और संदर्भ सहित अपनी बात कहते-ठीक वैसे ही जैसे पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने समय-समय पर कही। यदि वह ऐसा करते तो शायद सरकार भी उनकी बात पर गौर करती और समाज भी उनके आकलन को सही परिप्रेक्ष्य में देखता। इस पर हैरत नहीं कि अब उनके कथन को एक मुस्लिम नेता के तौर पर अधिक देखा जा रहा है। यह अच्छा नहीं हुआ कि उन्होंने जाने-अनजाने अल्पसंख्यकवाद की राजनीति को हवा देने का काम किया। हालांकि उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी चिंता से प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों को भी अवगत कराया था, लेकिन उन्होंने उसे गोपनीय ही रखने का आग्रह किया। ऐसा लगता है कि उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी कुछ राजनीतिक दलों की संकीर्ण राजनीति प्रेरित मुहिम और मीडिया के एक हिस्से के रुख-रवैये से ही इस नतीजे पर पहुंच गए कि मुस्लिम खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह किसी से छिपा नहीं कि थोड़े समय पहले कुछ राजनीतिक दलों और एक खास तरह के बुद्धिजीवियों की ओर से यह मुहिम छेड़ी गई थी कि देश असहिष्णुता की चपेट में आ गया है। इसे लेकर पुरस्कार वापस करने का अभियान भी छेड़ा गया। नतीजा यह हुआ कि देश-दुनिया में असहिष्णुता को लेकर हल्ला मचा। सभी इससे अवगत हैं कि चंद दिनों बाद किस तरह तथाकथित असहिष्णुता का लोप हो गया। इसी के साथ यह भी स्पष्ट हो गया कि असहिष्णुता तो केवल कुछ टीवी चैनलों के पर्दों और नेताओं के भाषणों की उपज थी। हामिद अंसारी ने यह रेखांकित करने के लिए कि मुसलमान भय के साये में हैं, गौरक्षकों के उत्पात का हवाला दिया और साथ ही यह भी कहा कि अलग-अलग लोगों से ऐसा सुना है। क्या कुछ लोगों से सुनी हुई बातें यह तय करने का आधार बन सकती हैं कि 18-20 करोड़ की विशाल आबादी वाला मुस्लिम समाज डरा हुआ है? इससे इन्कार नहीं कि बेलगाम गौरक्षकों के उत्पात के कई मामले सामने आए हैं, लेकिन इन चंद घटनाओं के आधार पर इस नतीजे पर पहुंचना तिल का ताड़ बनाना है कि मुस्लिम डरे हैं। बेहतर हो कि हामिद अंसारी यह समझें कि देश वही नहीं है जो चंद लोग जबरन दिखाना चाह रहे हैं।

महबूबा मुफ्ती के बेलगाम बोल

जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती का एक फलसफिया बयान है कि आप किसी विचार को कैद नहीं कर सकते। आप किसी विचार को मार नहीं सकते। इसका अहसास उन्हें शायद तब हुआ जब राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआइए हुर्रियत के सात लोगों को गिरफ्तार कर दिल्ली ले आई और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आतंकी मारे जाने का सिलसिला तेज हो गया। एनआइए की कार्रवाई से ठीक एक दिन पहले 28 जुलाई को नई दिल्ली की एक संगोष्ठी में उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा था, ह्यअगर संविधान के अनुच्छेद 370 और 35-ए से छेड़छाड़ की गई तो कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं मिलेगा। गौरतलब है कि इससे पहले 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 35-ए को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ का गठन किया था। नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत के तुरंत बाद महबूबा ने अपने उक्त विचार रखे। आखिर ऐसा क्या है कि महबूबा कुछ भी बयान देने के बावजूद अपने पद पर काबिज हैं? सवाल यह भी है कि उनकी सत्ता में टेक बनी भाजपा की कौन सी मजबूरी है कि वह उन्हें ढोए चले जा रही है? भले ही महबूबा के शिगूफे नए हों, लेकिन ऐसे तुर्रे छेड़ने की उनकी आदत खासी पुरानी है। इसी साल 17 मार्च को महबूबा ने कहा था कि राज्य के कुछ हिस्सों से अफस्पा कानून को हटा देना चाहिए। उन्होंने यह बयान तब दिया था जब सुरक्षा बलों की आतंकियों से मुठभेड़ आम हो चली थी। इन मुठभेड़ों के दौरान सुरक्षा बलों पर पत्थरबाज छोड़ दिए जाते थे।

महबूबा विदेश नीति में भी खासी दिलचस्पी दिखा रही हैं। 18 मार्च को मुंबई में मोदी सरकार को एक बिन मांगी सलाह देते हुए उन्होंने कहा था कि भारत को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे यानी सीपीईसी से जुड़ जाना चाहिए, क्योंकि इससे कश्मीर का मध्य एशिया के साथ जुड़ाव काफी फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने ऐसा कहने से पहले इस परियोजना के विरोध में भारत सरकार की उस घोषित नीति का भी लिहाज नहीं किया कि जिसके तहत उसे गुलाम कश्मीर में चीन के दखल को औपचारिक और स्थाई बताते हुए खारिज किया गया है। मुख्य विपक्षी-दल कांग्रेस तो छोड़िए, अमूमन चीन की ओर झुकाव रखने वाले वामपंथी भी ऐसा कहने का दुस्साहस नहीं करते, लेकिन भाजपा के समर्थन से सरकार चला रहीं महबूबा आए दिन उसे मुंह चिढ़ाते हुए लक्ष्मण रेखा लांघ रही हैं और भाजपाई मजबूरन धृतराष्ट्रवादी बनने को मजबूर हैं। अगर भाजपा की विवशता को समझना है तो उस समझौते को देखना होगा जिसके आधार पर दोनों दलों का गठजोड़ टिका है। जिन शर्तों पर यह सरकार बनी है उससे यही लगता है कि भाजपा ने पीडीपी के समक्ष समर्पण कर दिया है। समझौते की एक शर्त यह है कि भारतीय संविधान में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य के दर्जे सहित सभी कानूनों को यथावत रखा जाएगा। तीन साल तक सुप्रीम कोर्ट में जवाब टालते हुए केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 35-ए पर अपना पक्ष रखने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि यह अति संवेदनशील मामला है। दूसरी ओर महबूबा 35-ए को लेकर बेचैन दिख रही हैं। इस मामले में उन्होंने फारूख अब्दुल्ला से भी मुलाकात कर डाली है। गठबंधन की शर्तों में यह भी शामिल है कि केंद्र सरकार कश्मीर में हालात की पुनः समीक्षा कर उसे अपीड़ित क्षेत्र घोषित कर अफस्पा की आवश्यकता पर पुनर्विचार करे। राजनीतिक पहल के तहत पाकिस्तान से बातचीत शुरू करना और रिश्ते सुधारने की भी बात है। लगता है कि यही वजह रही

कि भारत ने पाकिस्तान के साथ अपनी ओर से जो वार्ता बंद की उसी को प्रधानमंत्री ने अपमान का घूंट पीकर 23 फरवरी, 2015 को स्वयं शुरू किया।

आज कोई और नहीं, बल्कि महबूबा ही पाकिस्तान से बातचीत शुरू करने के लिए लगातार दबाव बना रही हैं। विदेश नीति के मोर्चे पर शायद ही किसी मुख्यमंत्री ने सरकार की इतनी फजीहत की हो, जितनी महबूबा करती आ रही हैं। बहरहाल इसके लिए महबूबा और उनकी पार्टी पीडीपी की पृष्ठभूमि को समझना बेहद जरूरी है। महबूबा के पिता और पार्टी के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद खानदानी मुफ्ती यानी मजहबी कानून के ज्ञाता थे। उन्होंने कांग्रेस के साथ अपने सियासी सफर का आगाज किया। फिर नेशनल कांफ्रेंस की लोकप्रियता का मुकाबला करने के लिए उन्हें जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व और संगठन की शरण में जाना पड़ा। वहीं अलगाववाद के झंडाबरदार और हुर्रियत के सरगना सैयद अली शाह गिलानी के साथ उनके रिश्तों की बुनियाद पड़ी। कांग्रेस की राजनीति करते हुए भी उनकी जहनियत पर इस्लाम का ही ज्यादा असर रहा। स्मरण रहे कि 1990 के विस्थापन से पहले घाटी के हिंदू समुदाय ने 1986 में अनंतनाग के दंगों की विभीषिका झेली थी। उसमें हिंदुओं का बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ था। 40 से अधिक मंदिरों को लूटखसोट कर आग के हवाले कर दिया गया था। मुफ्ती के गृहनगर का यह तांडव उनकी शह पर ही हुआ था।

राज्य विधानसभा चुनाव के बाद महबूबा दिल्ली में थीं। एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में उनसे जब पूछा गया कि चुनाव नतीजे 23 दिसंबर को ही आ गए तो नई सरकार के शपथ ग्रहण में एक मार्च तक की देरी क्यों हो गई? तब महबूबा के मुंह से अनायास ही निकल आया कि हुर्रियत को मनाने में हफ्तों निकल गए। इससे जाहिर होता है कि उनके पिता ने शपथ लेते ही सबसे पहले हुर्रियत और पाकिस्तान को धन्यवाद क्यों दिया और वह भी प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में। यह भी समझ आता है कि गठबंधन की शर्तों में पाकिस्तान के साथ बातचीत की शर्तों पर इतना जोर क्यों है और इस पर भाजपा ने घुटने क्यों टेके? यह वही महबूबा हैं जिन्होंने 2008 में कांग्रेस के साथ अपनी ही गठबंधन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। तब उन्हें श्रीअमरनाथ श्राइन बोर्ड को दी गई जमीन पर कड़ा एतराज था। जमीन 16 हजार फीट ऊंचाई पर यात्रियों के प्राथमिक उपचार और दूसरी बुनियादी सुविधाओं के लिए आवंटित की गई थी जिनके अभाव में कई वर्षों से तीर्थयात्रियों की मौत हो रही थी। विरोध के पीछे उनकी दलील थी कि यह कश्मीर का जनसंख्या अनुपात बदलने की साजिश है, जबकि इतनी ऊंचाई पर आम इंसानी बसावट कोई आसान बात नहीं है।

यह भूमि भी अस्थाई निर्माण के लिए थी। जब राज्यपाल ने असहमति जताई तो राज्यपाल को ही बदल दिया गया और आवंटन रद कराया गया। वर्ष 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी के एक कार्यक्रम में तत्कालीन रॉ प्रमुख एएस दुलत ने मंच पर महबूबा को जगह भी नहीं दी थी। इसके पीछे वजह यही बताई गई कि भारतीय गुप्तचर एजेंसियों ने महबूबा की हिजबुल कमांडरों से नजदीकियां ताड़ ली थीं। अब उन्हीं महबूबा को यह मुगालता हो गया है कि कश्मीर में तिरंगा उनके हाथों का मोहताज बन गया है। अच्छा होगा कि भाजपा उनसे यह कहती रहे कि कश्मीर में तिरंगा उनसे पहले भी और उनके बाद भी बदस्तूर लहराता रहेगा।

अच्छा उदाहरण दें

एक घटना ने समाज में बुरी तरह व्याप्त वीआइपी कल्चर की तरफ फिर सबका ध्यान खींचा है। हुआ यह कि फैजाबाद जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का काफिला बिना टोल टैक्स दिए टोल प्लाजा से निकल गया। टोल प्लाजा को हजारों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। टोल देने के इंतजार में लाइन लगाए अन्य वाहन मालिक पूर्व सीएम के काफिले को जाता देखते रहे। कुछ ने टिप्पणी भी की। यह घटना महज एक बानगी है। वीआइपी कल्चर खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश दिए हैं। मसलन, वाहनों पर हूटर न लगाएं, खिड़की के शीशे पर काली फिल्म न चढ़ाएं लेकिन, बहुत कम नेता इन नियमों का पालन करते हैं। कुछ दिन पहले केंद्र सरकार ने भी नेताओं से सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन ईमानदारी से करने की अपील की थी। कारों से लाल-नीली बत्तियां हटीं भी पर नतीजा बहुत सकारात्मक नहीं रहा। असल में खुद को खास दिखाना एक प्रवृत्ति है जो वर्षों से लोगों के दिमाग में इस तरह पैठ बना चुकी है कि इसे हटाना अब सरल नहीं।

वीआइपी कल्चर की यह बीमारी सभी दलों में है। अखिलेश यादव का मामला प्रकाश में आने का अर्थ यह नहीं कि बाकी दलों के नेता या सरकार के मंत्री टोल देकर ही निकलते हैं। इस मामले में सभी दलों में अद्भुत एका है। माननीयों को हमेशा लगता है वे कि खास हैं और इसलिए नियमों से ऊपर हैं। एक और दृश्य प्रायः दिखता है। किसी मॉल में जाने पर आप पाते हैं कि नेता लगने वाला कोई व्यक्ति आगे-आगे चल रहा है जबकि उसके पीछे चार-पांच लोग बंदूक कंधे पर लिए हुए हैं। मॉल में आए अन्य लोगों पर इसका अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता। पंचायत स्तर का कोई भी नेता रौब दाब में विधायकों से बराबरी की होड़ करता है और इसके लिए वह भी काफिला लेकर चलता है। लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए यह ठीक नहीं। इस प्रवृत्ति से जितना शीघ्र मुक्ति पा ली जाए, उतना बेहतर। आम आदमी सिस्टम का सही तरीके से पालन करे, इसके लिए विशिष्ट जन को अपना उदाहरण रखना होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
12 अगस्त, 2017

'ब्लू व्हेल गेम' का टास्क पूरा करने लड़के ने छोड़ा घर

सोलापुर/पुणे। दुनियाभर में सुसाइड गेम के तौर पर चर्चित 'ब्लू व्हेल' के जाल में फंसकर मुंबई में एक बच्चे ने हाल ही में आत्महत्या की थी। उसके बाद अब इंदौर और महाराष्ट्र के सोलापुर में भी बच्चों के इस जाल में फंसने के मामले सामने आए हैं। हालांकि, दोनों ही बच्चे समय रहते बचा लिए गए। महाराष्ट्र के सोलापुर में 14 साल का बच्चा ब्लू व्हेल गेम का स्टेज पूरा करने घर छोड़कर पुणे जा रहा था। समय रहते पुलिस ने उसे ढूंढ लिया। माता-पिता के लिए छोड़े नोट में बच्चे ने लिखा था, मैं पुणे जा रहा हूं। मेरी लौटने की कोई योजना नहीं है। पुलिस के अनुसार, सुबह 7 बजे भिगवां के पास बस स्टैंड पर बच्चा मिला। वह कुछ नहीं बोल रहा था। बाद में परिवार ने बताया

कि वह एक हफ्ते से ब्लू व्हेल गेम खेल रहा था। बच्चे के पिता दिनेश भोसले ने कहा, हमने कभी देखा नहीं कि वह कौन-सा गेम खेल रहा है। वह दो हफ्ते से किसी से बात भी नहीं कर रहा था।

केरल ने की गेम पर बैन की मांग, मप्र ने कहा-हम भी करेंगे

ब्लू व्हेल गेम को लेकर बच्चों के साथ हो रहे हादसे रोकने के लिए केरल ने केंद्र सरकार से इस गेम पर रोक लगाने की अपील की है। वहीं, मध्यप्रदेश के गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह ने भी कहा है कि हम भी केंद्र सरकार से इस गेम पर बैन लगाने की मांग करेंगे। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बताया कि पुलिस ने पैरेंट्स के लिए जरूरी अलर्ट जारी किए हैं। बच्चों और माता-पिता को आगाह करने के लिए कैंपेन चलाएंगे। माकपा विधायक राजू इब्राहिम ने बताया कि एक रिपोर्ट के मुताबिक केरल में कम से कम 2000 बच्चे यह खतरनाक गेम डाउनलोड कर चुके हैं।

150 सुसाइड के मामले

गौरतलब है कि हाल में मुंबई में 14 साल के एक लड़के ने ऑनलाइन गेम ब्लू वेल के लास्ट स्टेप को पूरा करने के लिए सुसाइड कर लिया था। इस गेम की वजह से अब तक दुनियाभर में 150 सुसाइड के मामले सामने आ चुके हैं।

मध्य रेल पर स्वच्छता पखवाडे का आयोजन

मुंबई। रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु जी के निदेर्शानुसार सभी क्षेत्रीय रेलों पर दिनांक 16.08.2017 से 31.08.2017 तक स्वच्छता पखवाडे. का आयोजन किया जाएगा। इसके एक भाग के रूप में पखवाडे के दौरान प्रत्येक दिन एक विषय पर जैसे स्वच्छ जागरूकता, स्वच्छ संवाद, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेल गाडी, स्वच्छ परिसर, स्वच्छ आहार, स्वच्छ नीर, स्वच्छ प्रसाधन तथा स्वच्छ प्रतियोगिता पर केंद्रित रहेगा। बता दे कि मध्य रेल्वे के महाप्रबंधक डी. के. शर्मा के दिशा निर्देश में मुख्यालय के सभी विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी गैर सरकारी संस्थानों तथा चैरिटेबल संस्थानों आदि के साथ समनव्य कर विभिन्न गतिविधियो में सम्मिलित रहेगें तथा रेल स्वच्छता पखवाडे के आयोजन मे सहयोग करेंगे। इस पखवाडे के दौरान रेल परिसर तथा स्टेशनों पर गाडियों की सफाई के मानको में वृध्दी करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। वहीं मध्य रेल्वे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुनिल उदासी ने बताया कि यह स्वच्छता पखवाडा मध्य रेल के पुणे, सोलापुर, भुसावल तथा नागपुर मंडलों पर भी आयोजित किया जाएगा। स्वच्छता पखवाडे में यात्रियों से बातचीत, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली तथा नुक्कड नाटकों के द्वारा लोगों को जागरूक किया जाएगा तथा इस प्रकार यात्रियों से स्टेशनों, गाडियों तथा रेल परिसरों में साफ-सफाई रखने की अपील की जाएगी।

मध्य रेलवे के उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक

मुंबई। मध्य रेल के उपनगरीय खंडों पर अनुरक्षण कार्य करने हेतु दिनांक 13.08.2017 को निम्न अनुसार मेगा ब्लॉक परिचालित किया जायेगा। माटुंगा - मुलुंड डाउन फास्ट लाइन पर सुबह 10.15 बजे से दोपहर 3.15 बजे तक सुबह 9.38 बजे से दोपहर 2.54 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से छूटनेवाली डाऊन फास्ट/सेमी फास्ट लाइन की सभी सेवाएं माटुंगा से डाउन स्लो लाइन पर चलाई जाएगी तथा शीव एवं मुलुंड स्टेशनों के बीच सभी स्टेशनों पर रूकेगी तथ अपने गतव्य स्थान पर 20 मिनट देरी से पहुंचेगी। ठाणे से आगे जाने वाली सभी डाऊन फास्ट लाइन की सेवाएं मुलुंड से पुनः डाउन फास्ट लाइन पर चलाई जाएगी। सुबह 10.46 बजे से दोपहर 3.18 बजे तक ठाणे से छूटने वाली सभी अप फास्ट/सेमी फास्ट लाइन सेवांए अपने निर्धारित हाल्ट के अलावा मुलुंड, भांडुप, विक्रोली, घाटकोपर, एवं कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी और अपने गंतव्य स्टेशन पर 15 मिनट देरी से पहुंचेगी। सुबह 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से छूटने वाली तथा आने वाली सभी स्लो लाइन सेवांए अपने गंतव्य स्टेशन पर 10 मिनट देरी से पहुंचेगी। ब्लॉक के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एवं दादर से छूटने वाली सभी लंबी दूरी की गाडियों को माटुंगा तथा मुलुंड स्टेशनों के बीच डाऊन स्लो लाइन पर चलाया जाएगा तथा यह

अपने निर्धारित समय से 30 मिनट देरी से चलेगी।

हार्बर लाइन: छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनसझचुनाभट्टी/बांद्रा डाउन हार्बर लाइन पर सुबह 11.40 बजे से दोपहर 4.40 बजे तक तथा चुनाभट्टी/बांद्रा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस अप हार्बर लाइन पर सुबह 11.10 बजे से सायं 4.10 बजे तक सुबह 11.21 बजे से दोपहर 4.39 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से वाशी/बेलापुर/पनवेल के लिए छूटने वाली सभी सेवाएं तथा सुबह 10.38 बजे से सायं 4.43 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से बांद्रा/अंधेरी के लिए छूटने वाली सेवाएं निरस्त रहेगी। सुबह 9.52 बजे से दोपहर 3.26 बजे तक पनवेल/बेलापुर/वाशी से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए छूटने वाली तथा सुबह 10.44 बजे से दोपहर 4.13 बजे तक अंधेरी/बांद्रा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए छूटने वाली अप हार्बर लाइन की सेवाएं निरस्त रहेगी। तथापि ब्लॉक के दौरान पनवेल तथा कुर्ला (प्लॅटफार्म क्र.8 से) के बीच विशेष सेवाएं चलाई जाएंगे। हार्बर लाइन के यात्रियों को सुबह 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक पश्चिम रेलवे तथा मेन लाइन होकर यात्रा करने की अनुमति दी गयी है। ब्लॉक के परिणाम स्वरूप अन्य दिनों की तुलना में उपनगरीय गाडियों में अधिक भीड़-भाड़ हो सकती है।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे लोकल गाडियों के फुट-बोर्ड, रूफ टॉप एवं खचा-खच भरी लोकल मे यात्रा न करे। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस असुविधा के लिए रेल प्रशासन को सहयोग दें।

(पृष्ठ 1 का शेष)

गोरखपुर में भीषण...

इंसेफेलाइटिस वार्ड में मरीजों ने दो घंटे तक अम्बू बैग का सहारा लिया। हॉस्पिटल मैनेजमेंट की बड़ी लापरवाही के चलते 30 बच्चों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई करने वाली फर्म का 69 लाख रुपये का भुगतान बकाया था। जिसके चलते गुरुवार शाम को फर्म ने अस्पताल में लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति ठप कर दी। गुरुवार से ही मेडिकल कालेज में जम्बो सिलेंडरों से गैस की आपूर्ति की जा रही है। बीआरडी मेडिकल कालेज में दो साल पहले लिक्विड ऑक्सीजन का प्लांट लगाया गया था। इसके जरिए इंसेफेलाइटिस वार्ड सहित करीब तीन सौ मरीजों को पाइप के जरिए ऑक्सीजन दी जाती है। शुक्रवार सुबह सात बजे ऑक्सीजन पूरी तरह खत्म हो जाने के चलते इंसेफेलाइटिस वार्ड में करीब दो घंटे तक मरीजों को अम्बू बैग के सहारे रहना पड़ा। 12 बजे कुछ सिलेंडर पहुंचे लेकिन इंसेफेलाइटिस इमरजेंसी वार्ड में अभी भी सिलेंडरों की क्राइसिस बनी हुई है। इंसेफेलाइटिस के वार्ड नंबर 100 में हर डेढ़ घंटे में 16 सिलेंडर खर्च हो रहे हैं, चारों तरफ अफरातफरी मची हुई है।

ओमकार बिल्डर पर कार्रवाई...

जिसके मालिक बाबू लाल वर्मा ने अपने मैनेजर राजीव अग्रवाल के जरिए मंत्री, नेता तथा बीएमसी और एसआरए अधिकारियों को इतनी **'सेवाएं'** प्रदान की कि उसे लोगों को लूटने का लाइसेंस मिल गया। उक्त लोगों को यह विशेष सेवाएं मुहैया करवाने के लिए बिल्डर बाबू लाल वर्मा ने कई ऐसे लोगों को अपनी साजिश में शामिल किया जो मुंबई से तड़ीपार हैं। साथ ही मुंबई की बदनाम गलियों की **हसीनाओं** को भी पैसे का लालच देकर इस **नेक** काम में लगाया। बिल्डर बाबू लाल वर्मा की इन्हीं सेवाओं से खुश होकर सभी नामचीन हस्तियों ने बाबू लाल वर्मा की पीठ पर अपना हाथ रख दिया तभी तो आज वह मालाड पूर्व में शांताराम तलाब-गार्डेन स्थित जानू भोयेनगर गृहनिर्माण संस्था को बेरहमी से धोखा देकर उनका आशियाना हड़प लिया और इनके हिस्से के फ्लैट को अब बाबू लाल वर्मा करोडों रुपये लेकर बेच रहा है। बिल्डर बाबू लाल वर्मा के खिलाफ मंत्रालय से जितने भी आदेश निकले वे सभी **'हाथी के दांत'** साबित हुए। बिल्डर बाबू लाल वर्मा ने मंत्रालय द्वारा एसआरए अधिकारी को जारी आदेश को भी मानने से इंकार कर दिया और उसे रद्दी की टोकरी में फेंक दिया। सूत्रों के अनुसार उसके इस काम में एसआरए अधिकारी भी शामिल हैं जिसने रिश्वत खा कर बिल्डर बाबू लाल वर्मा पर कोई कार्रवाई नहीं की और ओमकार बिल्डर अपना काम अभी भी जारी कर रखा है। इस मामले में अभी तक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस की चुप्पी पर भी लोग हैरत में हैं।

निहलानी आउट...

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म लिपस्टिक अंडर माय बुर्का को सेंसर बोर्ड की ओर से बैन करने के फैसले की भी खूब आलोचना हुई थी। इसके अलावा उड़ता पंजाब, एन आगुर्मेंटेटिव इंडियन जैसी कई फिल्मों पर भी सेंसर बोर्ड की गाज गिरी और इन फिल्मों के रिलीज को लेकर काफी हंगामा भी मचा। नवनियुक्त सेंसर बोर्ड अध्यक्ष प्रसून जोशी बॉलीवुड फिल्मों में गीत लिखते हैं इसके अलावा पटकथा लेखक और कवि भी हैं। 45 साल के प्रसून को दो बार नेशनल अवॉर्ड और 2 बार फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। फिल्म तारे जमीं पर का मशहूर गाना मां प्रसून जोशी का सबसे लोकप्रिय गीत है।

आजाद भारत में जन्म लेने वाले पहले उपराष्ट्रपति हैं वेंकैया-PM

एम वेंकैया नायडू ने आज यहां देश के 13वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाई। वहीं नायडू ने राज्यसभा के सभापति के रूप में पदभार संभाल लिया है। बतौर उपराष्ट्रपति अपना उन्होंने अपना पहला भाषण भी दिया।

मोदी ने की तारीफ – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वेंकैया ऐसे पहले उपराष्ट्रपति बने हैं, जो इतने वर्षों तक इन्हीं लोगों के बीच पले-बढ़े। नायडू कैबिनेट में भी गांव और किसान की बात करते थे। आज सर्वोच्च पदों पर सामान्य घरों के लोग आसीन हुए हैं। नायडू किसान के बेटे हैं और गांव को भली-भांति जानते हैं। वह जेपी आंदोलन से भी जुड़े रहे। पीएम ने कहा कि देश को पहले

ऐसे उपराष्ट्रपति मिले, जो सदन की बारीकियों से वाकिफ हैं। नायडू पहले ऐसे उपराष्ट्रपति हैं, जो आजाद भारत में पैदा हुए।

पीएम ने गिनाईं नायडू की उपलब्धियां

- ➢जेपी आंदोलन की पैदाइश हैं उपराष्ट्रपति
- ➢किसान खेत खलिहान की समस्या अच्छी तरह समझते हैं वेंकैया
- ➢देश में पहली बार तीनों सर्वोच्च पद पर जमीन से आए लोग
- ➢प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना वेंकैया जी की देन
- ➢वेंकैया जी की तुकबंदी काफी मशहूर है

नायडू ने हिंदी में ली शपथ

नायडू ने हिंदी में उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन की ओर से आयोजित शपथ समारोह में हिस्सा लेने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री राजनाथ और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे।

दाऊद ने कहा -मैं पाकिस्तान में ही हूं

मोस्ट वांटेड डॉन दाऊद इब्राहिम की आवाज पहली बार सामने आई है। एक अंग्रेजी चैनल का दावा है कि उसने दाऊद से पाकिस्तान के नंबर पर मई महीने में बात की है। इस बातचीत को चैनल ने गुरुवार को दिखाया।

पाकिस्तान में ही हूं

पाकिस्तान हमेशा भारत के इस दावे को नकारता आया है कि दाऊद वहां रहता है लेकिन इस बार खुद दाऊद ने ही कबूल किया कि वह कराची में ही है।

स्वस्थ है दाऊद

दाऊद के कुछ महीने पहले गंभीर रूप से बीमार होने व अस्पताल में भर्ती होने की खबर मीडिया में चली थी, पर दाऊद ने चैनल से दावा किया कि उसे न ही हार्ट अटैक आया था और न ही उसे गैंगरीन जैसी कोई बीमारी है। उसने कहा कि बस एक बार उसका ब्लड प्रेशर बढ़ गया था। वहीं संबंधित चैनल का दावा है कि यह पहली बार है जब दाऊद ने किसी टीवी चैनल से सीधी बात की है। इस बातचीत के ऑडियो की पूरी जांच की गई। दो महीने तक जांच होने के बाद जब ये

पुख्ता हो गया कि फोन ऑडियो में आवाज दाऊद और उसके एक साथी जावेद चोटरानी की ही है, तब इस बात का खुलासा लोगों के सामने किया गया है। चैनल का कहना है कि दाऊद की आवाज को उन लोगों के बीच भी पुख्ता करवाया गया जो पिछले कई सालों से मुंबई के अंडरवर्ल्ड डॉन को ट्रैक कर रहे हैं। चैनल ने यह भी दावा किया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी इस आवाज की पुष्टि की है।

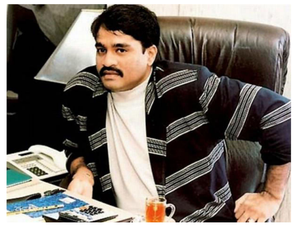

इमरान का शरीफ पर जोरदार हमला

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ(पीटीआई)के अध्यक्ष इमरान खान ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर जोरदार हमला बोलते हुए उनकी इस्लामाबाद से लाहौर तक के रोड शो को 'भ्रष्टाचार बचाओ रैली' का नाम दिया।

नवाज शरीफ को दी ये सलाह

जानकारी मुताबिक, पीटीआई प्रमुख ने ट्वीट कर कहा, उनकी करप्शन बचाओ रैली पर नवाज शरीफ को मेरी एक सलाह है : आप अंपायरों, पिच, मौसम, अपने कुछ खिलाड़ियों को दोषी ठहरा सकते हैं.. लेकिन अंत में आप बच नहीं सकते हैं। आपको एहसास हो जाता है कि आपका खेल खत्म हो चुका है और आप हार गए हैं।

इमरान और नवाज की बेटी मरियम के बीच हुई लड़ाई - इमरान द्वारा शरीफ पर हमला बोलने के बाद इमरान और नवाज की बेटी मरियम के बीच ट्विटर पर लड़ाई देखने को मिली। दोनों के बीच लड़ाई तब शुरू हुई जब इमरान ने नवाज की रैली को 'भ्रष्टाचार बचाओ रैली' का नाम दिया। इमरान ने ट्वीट किया कि 'आपको समझना होगा कि आपकी राजनीतिक पारी खत्म हो चुकी

है। भीड़ इकठ्ठा करने से कोई नेता नहीं बन सकता।' इसके साथ ही क्रिकेटर से नेता बने इमरान ने बुलेट प्रूफ कार में ट्रेवल करने पर भी नवाज का मजाक उड़ाया। बता दें कि नवाज का यह रोडशो ऐसे वक्त हो रहा है जब कुछ ही दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने उन्हें पनामा मामले में पाकिस्तानी संसद की सदस्यता के लिए अयोग्य करार दिया था। उन्होंने 370 किलोमीटर लंबी यात्रा शुरू करने से पहले प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी, मंत्रिमंडल के सदस्यों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

अयोध्या विवादः पहली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को दिया निर्देश

उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले की अंतिम सुनवाई पांच दिसंबर तक के लिए आज स्थगित कर दी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ विभिन्न अपीलों की संयुक्त सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस ए नकीर की विशेष पीठ ने कहा कि वह पांच दिसंबर से इस मामले में अंतिम सुनवाई करेगी। न्यायालय ने हालांकि सभी संबंधित पक्षकारों को आगाह किया कि वह उस दौरान सुनवाई स्थगित करने का किसी भी पक्ष का अनुरोध नहीं मानेगा। सभी पक्षों को इसके लिए जरूरी तैयारी रखनी होगी। मामले की सुनवाई शुरू होते ही सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दलील दी कि कई दस्तावेजों के अनुवाद का काम अब तक नहीं हो पाया है। ये दस्तावेज संस्कृत, फारसी, उर्दू, अरबी और अन्य भाषाओं में हैं। इनके अनुवाद के लिए थोड़े समय की जरूरत है। न

यायालय ने हालांकि, सात वर्ष तक दस्तावेजों का अनुवाद नहीं होने को लेकर नाराजगी भी जतायी। न्यायालय ने इसके लिए सभी पक्ष के वकीलों को 12 सप्ताह की मोहलत दी। उच्चतम न्यायालय में सात साल

के अंतराल के बाद इस मामले की सुनवाई आज भोजनावकाश बाद शुरू हुई थी।

इस मामले में कुछ समय पहले भारतीय जनता पार्टी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने मुख्य न्यायाधीश जे एस केहर की अध्यक्षता वाली पीठ से जल्द सुनवाई की गुहार लगाई थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 2010 में विवादित स्थल के 2.77 एकड़ क्षेत्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड, निमोर्ही अखाड़ा और रामलला विराजमान के बीच बराबर-बराबर हिस्से में विभाजित करने का आदेश दिया था। कुछ महीने पहले न्यायालय ने इस मामले का अदालत से बाहर समाधान निकालने की संभावना तलाशने के लिए कहा था। इसे लेकर विभिन्न पक्षकारों की ओर से प्रयास किए गए, लेकिन समाधान नहीं निकल सका। लिहाजा न्यायालय अब गुण-दोष के आधार पर ही इस विवाद का निपटारा करेगा।

अब हिंद महासागर पर चीन की नजर!

भारत के समुद्री क्षेत्र के बेहद समीप चीन की सेना के बेड़े की बढ़ती मौजूदगी को लेकर बढ़ रही चिंताओं के बीच चीन की नौसेना की नजर अब हिंद महासागर पर है। चीन की नौसेना हिंद महासागर में सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारत से हाथ मिलाना चाहती है।

हिंद महासागर की सुरक्षा में चीन और भारत का संयुक्त योगदान - पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी(पीएलएएन)के अधिकारियों ने तटीय शहर झानजियांग में अपने कूटनीतिक दक्षिण सागर बेड़े(एसएसएफ) अड्डे पर पहली बार भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बात करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए हिंद महासागर एक साझा स्थान है। चीन के एसएसएफ के डिप्टी चीफ ऑफ जनरल ऑफिस कैप्टन लियांग तियानजुन ने कहा, मेरी राय में चीन और भारत हिंद महासागर की सुरक्षा में संयुक्त योगदान दे सकते हैं। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब चीनी नौसेना ने अपनी वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर विस्तार की योजना शुरू की है। लियांग ने हिंद महासागर में चीन के युद्धपोतों और पनडुब्बियों की बढ़ती गतिविधियों पर भी स्पष्टीकरण दिया।

चीन ने हिंद महासागर में होर्न ऑफ अफ्रीका के जिबूती में पहली बार नौसैन्य अड्डा स्थापित किया है। विदेशी समुद्र क्षेत्र में चीन के पहले नौसैन्य अड्डे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि यह साजोसामान का केंद्र बनेगा और इससे क्षेत्र में समुद्री डकैती रोकने, संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियान चलाने और मानवीय राहत पहुंचाने वाले

अभियानों को सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिबूती अड्डा चीन के नौसैनिकों के लिए आराम करने का स्थान भी बनेगा। लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि चीन के बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक दबदबे के बीच सैन्य अड्डा बनाना वैश्विक पहुंच बढ़ाने की पीएलएएन की महत्वाकांक्षा का हिस्सा है। लियांग ने कहा, हिंद महासागर बहुत बड़ा सागर है। क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता बनाने में योगदान देने के वास्ते यह अंतराष्ट्रीय समुदाय के लिए साझा स्थान है।

चीन की सेना का रुख रक्षात्मक है ना कि आक्रामक - पीएलएलन के युद्धपोत युलिन पर भारतीय मीडिया से हिंद महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी के बारे में उन्होंने कहा कि चीन की सेना का रुख रक्षात्मक है ना कि आक्रामक। इसके साथ ही उन्होंने यह स्पष्ट किया कि चीन कभी अन्य देशों में घुसपैठ नहीं करेगा लेकिन अन्य देशों द्वारा अवरुद्ध भी नहीं होगा। भारतीय मीडिया के प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित करने के कोई खास महत्व और संदर्भ से इंकार करते हुए उन्होंने कहा कि यह विभिन्न देशों के साथ नियमित बातचीत का हिस्सा है।

"श्याम सुन्दर श्रीनाथजी - द गॉड कृष्णा" के "महारस"
गाने की रिकॉर्डिंग में सुरेश वाडकर और साधना सरगम

वैष्णवचार्य पूजपाद गोस्वामी १०८ श्री धुरिल कुमार जी (जिन्हे महाप्रभूजी के नाम से भी जाना जाता है) इनका सपना प्रोजेक्ट है "श्याम सुंदर श्रीनाथ जी"। राजीव श्रीवत्सव द्वारा निर्देशित एवं जनक संघवी और ध्रुव संघवी द्वारा निर्मित फिल्म का पहला गीत ३महारस३ का रिकॉर्डिंग किया गया ।१० अगस्त, २०१७, मुंबई- कलियुग के एक जीवित भगवान पर आधारित फिल्म 'श्रीनाथ जी' के निमार्ता ने महारास गीत के रिकार्डिंग कम मिनी कॉन्सर्ट की मेजबानी की, जिसमें धरमिल कुमार जी, साधना सरगम, दिलीप सेन, सुरेश वाडकर, शबिना खान, डीजे शेजवुड, समीर अंजान, दिलीप शुक्ला, जनक संघवी, ध्रुव संघवी, राजीव श्रीवास्तव, सिमरन पहवा, नीता रेशमिया, पंडित किरण मिश्रा और कई अन्य प्रसिद्ध सेलिब्रिटी उपस्थित थे। हालांकि दिलीप सेन के संगीत और संगीत के प्रति उत्साह राष्ट्र में उत्साह का कारण बने हुए हैं, जिन्होंने गाने की रिकॉर्डिंग का नेतृत्व किया। फिल्म सांग रिकॉर्डिंग के लिए पहली बार सत्तर (७०) से भी अधिक संगीतकारों ने स्टूडियो में सांग रिकॉर्ड किया ।"श्रीनाथ जी" के बारे में शब्द प्रसारित करते हुए दतिया गया की इस रिकॉर्डिंग का मुख्य उद्देश्य युग के लोकप्रिय संगीत की शुद्धता और गुणवत्ता का प्रदर्शन करना था, संगीतकारों ने अवधि के लिए उपयुक्त उपकरणों का उपयोग किया। क्युकि भगवान श्रीकृष्ण जी संगीत से प्यार करते थे, हमने अपनी आस्था को आगे बढ़ाने का फैसला किया और उनके आशीर्वाद के साथ मूल ध्वनियों को रिकॉर्ड किया। श्री धुरिल कुमार जी (जिन्हे महाप्रभूजी के नाम से भी जाना जाता है) ने कहा, "श्याम सुंदर श्रीनाथ जी, केवल एक फिल्म नहीं है, लेकिन श्री कृष्ण

जी के लीलाखिच के चमत्कारी कद के फैलाव से आप भक्ति के घनिष्ठ अनुभव को समझ पाएंगे। 'कलियुग का जीवित परमेश्वर' यह 'श्रीनाथ जी' के बारे में पहली बार प्रबुद्ध और आत्मापूर्ण हिंदी फिल्म है। फिल्म के निदेशक राजीव श्रीवास्तव कहते हैं, हिंदी , शास्त्रीय संगीत में असीम संभावनाओं और अन्वेषण की विशाल क्षमता है, इस प्रकार३ महारस " द्वारा श्री जी की शुद्धता के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए एक आदर्श रूप है। श्रीनाथ जी एक हिंदू भगवान कृष्ण का एक रूप है, एक सात वर्षीय बच्चे (बालक) के रूप में प्रकट होता है; इस फिल्म में श्रीनाथ जी की लीलास में देवत्व, पवित्रता और तीव्रता की वास्तविक अंतर्दृष्टि दी गई है,जो "महारस" गीत भी प्रस्तुत करते हैं। श्रीजी के जीवन में महाप्रभूजी, गिरिराज जी, यमुनजी और देशभूमियों की महत्वपूर्ण प्रस्तावना को दशार्ने के लिए, हम दर्शकों को एक फिल्म लाते हैं जो सभी महिमा में श्रीजी और कृष्ण जी के सच्चे सार को लाएगा। निमार्ता जनक संघवी और ध्रुव संघवी कहते

हैं, हम लोगों को श्रीनाथ जी के बारे में सूचना देना चाहते हैं। कुंभनाथस, सूरदास, कृष्णदास, परमानंद दास, नंद, चतुरभुज दासस्वामी, चिट्स्वामी, गोविंद दास, श्रीजी के अष्टसाखा, जिन्होंने श्रीजी की सेवा करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया था। अवर्णनीय वर्ण कुंभदास, सोरार्दस और रास्खान ने सुंदर छंदों में लिखा था जो अभी भी नाथद्वार के श्रीनाथ के मंदिर में गाया जाता है । निमार्ता- जनक संघवी, ध्रुव संघवी, निदेशक- राजीव श्रीवास्तव, क्रिएटिव डायरेक्टर्स- हरीश राऊत, निदेशक दल- सिमरन पहवा, कामरान सिद्दीकी, प्रवीण गोस्वामी, डीओपी- साणु सिन्हा, संगीत निर्देशक दिलीप सेन, आशीष शास्त्री (डीजे शेजवुड) , चीरेग्राफर - शबिना खान, पटकथा सलाहकार - दिलीप शुक्ला, लेखक - नीता रेशमिया, गीत - समीर अंजान, पंडित किरण मिश्रा, कास्टिंग निदेशक - अजय सोनी, कला निर्देशक - प्रदीप सिंह, प्रोजेक्ट हेड - मुकेश पांडे; पीआर ओ-पारुल चावला

PAK का नापाक इरादा, छुपा रखा है परमाणु हथियारों का जखीरा

भारत को परमाणु हमले की धमकी देने वाले पड़ोसी देश पाकिस्तान का नापाक इरादा सामने आया है। दरअसल पाक ने अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को छुपाने के लिए एक सीक्रेट जगह बनाई है। इस बात का खुलासा एक अमरीकी थिंक टैंक के दावे के बाद हुआ है।

पाक ने यहां छुपा रखा है अपने परमाणु हथियारों का जाखीरा

अमरीकी थिंक टैंक ने सैटेलाइट से ली गई फोटोज और जांच के आधार पर यह दावा किया है कि पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बलूचिस्तान के सुदूर पहाड़ी इलाकों में जमीन के नीचे छिपाकर रखा है।

अमरीका की एक गैर लाभकारी और गैर सरकारी संस्थान 'इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल सेक्युरिटी' ने बताया कि सैटेलाइट के फोटोज की जांच करने के बाद पूरी तरह सुरक्षित अंडरग्राउंड परिसरों वाले इस स्थान का

पता चला है। उसने एक रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण पश्चिम प्रांत में यह अंडरग्राउंड परिसर बैलेस्टिक मिसाइल और परमाणु आयुध भंडारण स्थल के रूप में काम कर सकता है। वैसे इस परिसर का उद्देश्य अब तक सार्वजनिक रुप से उपलब्ध नहीं है। हालांकि इस परिसर में हथियारों के भंडारण का मकसद स्पष्ट नहीं है। वहीं रिपोर्ट तैयार करने वाले डेविड अलब्राइट, सारा बुरखर्द, अलीसन लैच और फ्रैंक पाबियन ने कहा, 'इस जगह का इस्तेमाल सामरिक महत्व के हथियार भंडारण से ही है। ताकि वह जरूरत पड़ने पर अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कम से कम समय में कर सकें।'

औंधे मुंह गिरा शेयर बाजार सैंसेक्स 300 अंकों से ज्यादा पर बंद

घरेलू बाजारों में आज लगातार पांचवें दिन गिरावट देखने को मिली है। कारोबार के अंत में सैंसेक्स 317.74 अंक यानि 1.01 फीसदी गिरकर 31,213.59 पर और निफ्टी 109.45 अंक यानि 1.11 फीसदी की कमजोरी के साथ 9,710.80 पर बंद हुआ है। बता दें कि हफ्ते में सैंसेक्स और निफ्टी साढ़े तीन फीसदी से ज्यादा टूटे हैं।

मिडकैप शेयरों में गिरावट

मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है। बी.एस.ई. का मिडकैप इंडेक्स 0.2 फीसदी गिरकर 14725 के आसपास बंद हुआ है। बी.एस.ई. का मिडकैप इंडेक्स 14485 तक गिरा था। निफ्टी का मिडकैप 100 इंडेक्स 0.6 फीसदी की कमजोरी के साथ 17360 के आसपास बंद हुआ है। बी.एस.ई. का स्मॉलकैप इंडेक्स

सपाट होकर 15065 के स्तर पर बंद हुआ है। आज के कारोबार में बी.एस.ई. का स्मॉलकैप इंडेक्स 14700 तक टूटा था।

ऑटो-मेटल में जोरदार गिरावट

आज ऑटो, एफ.एम.सी.जी., मेटल, पी.एस.यू. बैंक और कैपिटल गुड्स शेयरों की जोरदार पिटाई हुई है। निफ्टी के ऑटो इंडेक्स में 1.4 फीसदी, एफ.एम.सी.जी. इंडेक्स में 0.8 फीसदी, मेटल इंडेक्स में 3.4 फीसदी और पी.एस.यू. बैंक इंडेक्स में 4.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। बी.एस.ई. का कैपिटल गुड्स इंडेक्स 1.2 फीसदी गिरकर बंद हुआ है।

रइक का स्टॉक लुढ़का - मार्च क्वार्टर में एन.पी.ए. में बढ़त दर्ज करने के बाद एस.बी.आई. के स्टॉक में तेज गिरावट देखने को मिल रही है। स्टॉक पिछले बंद स्तर के मुकाबले 5 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। स्टॉक में नतीजों से पहले बढ़त देखने को मिली थी।

क्या हैं बाजार में गिरावट का कारण - जानकारी के मुताबिक ग्लोबल अनिश्चितता की वजह से बाजार में पैनिक सेलिंग हावी हो गई है। अमरीका और नॉर्थ कोरिया के बीच जुबानी जंग काफी आगे बढ़ चुकी है, इससे निवेशक परेशान हैं। बाजार अब तक अनुमान लगा रहा था कि दुनिया भर में जहां भी दो देश आमने सामने हैं वहां युद्ध जैसी स्थितियां नहीं आएंगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अपना रास्ता चुनने के लिए स्वतंत्र हैं शरद : नीतीश

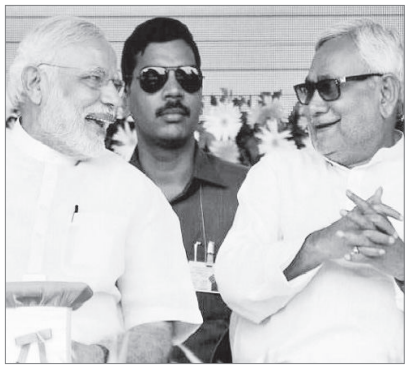

पटना। नीतीश कुमार ने कहा है कि जेडीयू के सीनियर लीडर शरद यादव अपना रास्ता चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। बिहार के सीएम ने नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद ये बात कही। मोदी के अलावा नीतीश बीजेपी चीफ अमित शाह से भी मिले। मोदी से मुलाकात पर नीतीश ने कहा-ये सिर्फ औपचारिक मुलाकात थी। बिहार के विकास की योजनाओं के मसले पर हम एक बार फिर प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे।

महागठबंधन से अलग होकर बीजेपी के साथ सरकार बनाने के नीतीश के फैसले से जेडीयू के सीनियर लीडर शरद यादव नाराज हैं। शरद यादव के बारे में पूछे गए एक सवाल पर नीतीश ने कहा- वो अपना रास्ता चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। पूरी पार्टी से विचार के बाद ही हमने यह फैसला लिया था। सबकी सहमति के बाद ही बीजेपी के साथ आए और बिहार में सरकार बनाई। मैं कुछ भी करने से पहले पार्टी के लोगों से जरूर पूछता हूं।

जनता का भरोसा टूटा: शरद : शरद यादव नीतीश के महागठबंधन छोड़कर बीजेपी के साथ सरकार बनाने से खफा हैं। शरद गुरुवार से तीन दिन की बिहार यात्रा पर आए हैं। शरद के मुताबिक-हम लोगों को बता रहे हैं कि महागठबंधन बिखरने से बिहार की 11 करोड़ जनता का भरोसा टूटा है। गुरुवार को शरद ने कहा था, मैं आज भी गठबंधन के साथ खड़ा हूं, और जनता के बीच आया हूं। ताकि उनसे हमारा गठबंधन बना रहे। आजादी के बाद 70 साल के इतिहास में ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिलता, जिसमें दो पार्टी चुनाव में आमने-सामने लड़ी हों, उनके मैनिफेस्टो अलग हों और वे बीच में ही जाकर मिल जाएं। मैं जनता दल के कुछ पुराने साथियों से भी मिला हूं। 2015 के चुनाव में डेढ़ माह तक बिहार के घूम-घूमकर मैंने गठबंधन के नेताओं के लिए वोट मांगा था। महागठबंधन बनाने के लिए बड़ी कोशिशें हुई थीं। हमने तीन हेलिकॉप्टरों से विधानसभा चुनाव में बीजेपी के 26 हेलिकॉप्टरों का मुकाबला किया। ताजा राजनीतिक घटनाओं से जनता का भरोसा टूटा है।

शरद के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है जेडीयू : नीतीश को बीजेपी के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाए 16 दिन हो चुके हैं, लेकिन शरद यादव पर ना तो जेडीयू ने कोई कार्रवाई की है और ना ही शरद ने अपनी पार्टी छोड़ने का कोई एलान किया है। हालांकि, बयानबाजी के जरिए वो नाराजगी जरूर जता रहे हैं। खबर के मुताबिक, शरद की नाराजगी के बाद अब पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। उन्हें पार्टी से निकाला भी जा सकता है। शुक्रवार को जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि शरद यादव को बिहार में सिर्फ दो लोग मिले। एक रमई राम और दूसरे अर्जुन राय। दोनों चुनाव हार चुके हैं। शरद को पार्टी का एक कार्यकर्ता नहीं मिला।

आरजेडी कर रही शरद की मदद : शरद के बिहार यात्रा के दौरान आरजेडी उनकी मदद कर रही है। गुरुवार को हाजीपुर में जनसभा हो या शुक्रवार को मुजफ्फरपुर में भाषण हर जगह राजद के लोग शरद के कार्यक्रम की व्यवस्था कर रहे हैं। गुरुवार को शरद जब पटना एयरपोर्ट पहुंचे तो पार्टी से रमई राम को छोड़ कर कोई दूसरा नेता उनके स्वागत के लिए मौजूद नहीं था। पूर्व एमएलसी रामबदन राय भी साथ थे। शरद के साथ लालू के लिए नारेबाजी हुई और नीतीश के खिलाफ भी नारे लगाए गए। स्वागत के लिए बड़ी संख्या में आरजेडी कार्यकर्ता पहुंचे। राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने शरद को ओरिजनल नेता कहा है। लालू ने शरद और उनके समर्थकों के साथ गठबंधन बने रहने की बात कही है।

अवैध बूचड़खाने बंद कराएगी सरकार

पटना। बिहार सरकार प्रदेश में चल रहे अवैध बूचड़खानों को बंद कराएगी और इन्हें संचालित करने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगी। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने अवैध बूचड़खानों का पता लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस संबंध में नगर विकास एवं आवास विभाग के साथ संयुक्त बैठक करने का निर्णय लिया गया है। पशुपालन मंत्री पशुपति कुमार पारस ने गुरुवार को कहा कि राज्य में गाय,बछड़ा, सांढ़, भैंस व भैंसा समेत कई पशुओं का वध करने पर रोक है। इससे संबंधित कानून प्रदेश में 1956 से ही लागू है और इसका उल्लंघन करने पर सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद अवैध तरीके से पशुओं का वध किए जाने की शिकायतें मिल रहीं हैं।

पारस ने कहा कि विभाग इस मामले को लेकर गंभीर है और सभी जिलों से अवैध बूचड़खानों की सूची मांगी गई है। उन्होंने कहा कि दूसरे प्रदेश एवं विदेश में पशुओं को भेजने पर प्रतिबंध है। सभी डीएम एवं एएसपी को पशु तस्करी रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

फरार शराब कारोबारी के घर कुर्की

समस्तीपुर/धर्मेंद्र कुमार। जिले के खानपुर थाना में दर्द एक शराब मामले के अभियुक्त कारोबारी के घर कुर्की किया गया। समस्तीपुर जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस के द्वारा लगातार करवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खानपुर थाना पुलिस ने करवाई करते हुए हरियाणा के दादरी जिला के वाडरा से एक मुख्य कारोबारी बलवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। वही दो अन्य फरार कारोबारी दीपक और बिंदु के घर कुर्की की करवाई की गई। शराब कारोबारी के खिलाफ जिले में राज्य के बहार की गई पहली करवाई है। इस मामले में डीएसपी ने बताया की 17 मार्च को खानपुर थाना क्षेत्र में एक ट्रक में आर्मी के बक्से में करीब 2600 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया था। इस मामले में पुलिस ने करवाई करते हुए ट्रक मालिक बलवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। वही दो अन्य फरार आरोपी के घर कुर्की की करवाई की है। पुलिस का बताना है की इस अवैध कारोबार में बिहार से लेकर हरियाणा तक के एक सिंडिकेट को ध्वस्त किया गया है।

22 अगस्त को बैंकों में लटकेगा ताला

मुजफ्फरपुर। 22 अगस्त को बैंकों में ताला लटकेगा। यूनाइटेड फ्रंट ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) के आह्वान पर बैंक कर्मी इस दिन हड़ताल पर रहेंगे। केंद्र सरकार पर बैंकों का निजीकरण कर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। गुरुवार को बैंक ऑफ इंडिया, पंकज मार्केट में धरना-प्रदर्शन कर जनविरोधी बैंकिंग सुधारों एवं कामगार विरोधी श्रम कानून का विरोध किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ब्याज दर लगातार घटा रही है। इसकी मार मध्यम एवं गरीब वर्ग पर पड़ रही है। बैंकों के बड़े बकाएदारों में पूंजीपति ही हैं।

सस्ती दवा लिखेंगे सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर

लखनऊ। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआइ) ने पहले से इसके निर्देश जारी कर रखे हैं, लेकिन सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर फिर भी सस्ती मिलने वाली जेनरिक दवाओं की बजाए महंगी ब्रांडेड दवाएं लिख रहे थे। लोग उन पर कमीशन का आरोप लगाते थे, जबकि डॉक्टरों का सवाल था कि हम लिख भी दें तो यह दवाएं मिलेंगी कहां..?

अब प्रदेश सरकार ने जेनरिक दवाओं के १००० स्टोर खोलने के लिए केंद्र सरकार के साथ करार करके इसका जवाब दे दिया है। गुरुवार को प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग और केंद्रीय रसायन व उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के बीच प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर होने के साथ ही प्रदेश में सस्ती जेनरिक दवाओं के स्टोर खुलने का रास्ता साफ हो गया है। ये केंद्र प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में खोले जाएंगे। अभी इन स्टोर से उपलब्ध कराने के लिए ६०० जेनरिक दवाओं की सूची बनाई गई है, जिसमें १५० सर्जिकल आइटम भी हैं। स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि स्टोर खुलने के साथ ही सरकारी डॉक्टरों को पर्चों पर जेनरिक दवाएं ही लिखने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं। लाल बहादुर शास्त्री भवन स्थित एनेक्सी में एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद केंद्रीय रसायन व उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने जेनरिक दवाओं की संख्या बढ़ाने का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि एक हजार में से ४०० से अधिक केंद्रों का आवंटन हो चुका है।

केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने बताया कि सूची में शामिल ६०० में से १५० दवाओं का दाम ब्रांडेड के मुकाबले आधा है, जबकि गुणवत्ता बराबर है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में हर पांच में एक भारत की जेनरिक दवा है, लेकिन यहां भारत में ब्रांडेड दवाओं का बाजार जम गया है। उन्होंने बताया कि गरीबों को सस्ती दवा मुहैया कराने के लिए ८०० दवाओं के दाम तय कर दिए गए हैं।

बिगड़ी व्यवस्था से नाराज मुख्यमंत्री अब बख्शने के मूड में नहीं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला स्तरीय अपने पहले दौरे में 18 अफसरों पर कार्रवाई की तो नौकरशाही में यह साफ संदेश गया कि अब वह बख्शने के मूड में नहीं हैं। योगी ने कहा भी 'कुछ ऐसे अफसर हैं जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। अब चेतावनी देने का वक्त खत्म हो चुका है, अब कार्रवाई होगी। महराजगंज में विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा के बाद उन्होंने 11 छोटे-बड़े अधिकारियों के निलंबन और आठ के तबादले का फरमान सुनाया। इस कार्रवाई में छह थानेदार भी नपे। 19 मार्च को सरकार संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने नौकरशाही को काम करने की छूट दी और अपने लोगों को अफसरों से समन्वय बनाने

के साथ ही अनुशासित रहने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री की मंशा यह थी कि पिछली सरकारों की तरह अफसरों पर दबाव न रहे। कुछ अफसरों ने इसका सकारात्मक संदेश लिया लेकिन, बहुतों ने जनप्रतिनिधियों तक को ठेंगे पर रखा। मनमानी की शिकायतों ने मुख्यमंत्री की नाराजगी बढ़ाई। मुख्यमंत्री ने जून में ही कहा था कि अगस्त में जिलों का दौरा करेंगे और तब सरकार की अपेक्षा पर खरा न उतरने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे। योगी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि शासन स्तर पर आने वाली समस्याओं में से 80 फीसद से अधिक थाना, ब्लाक और तहसील स्तर की होती हैं। अगर लोगों को यहां इंसाफ मिल जाए तो शासन स्तर पर समस्याओं का आना बहुत हद तक कम हो जाए। इन अधिकारियों को सुधरने के लिए चार माह का समय दिया जा चुका है। सरकार अब इससे अधिक मौका देने से रही। महराजगंज दौरे में कार्रवाई की जद में आए अधिकांश अधिकारी तहसील, थाने और ब्लाक स्तर के ही हैं। बारी-बारी मुख्यमंत्री का यह दौरा हर जिले में होना है। पहले ही दौरे में ही उनके द्वारा की गई ताबड़तोड़ कार्रवाई बाकी जिलों के अधिकारियों के लिए चेतावनी है।

महिला जिसने 60 सालों से नहीं खाया अन्न का एक दाना

इन दिनों धामनोद के सुंद्रैल की 75 वर्षीय सरस्वती बाई सुर्खियों में हैं। 60 साल से उन्होंने अन्न का एक दाना नहीं खाया है। चाय और पानी के सहारे वह जीवित हैं। इतना ही नहीं उनका शरीर इतना चुस्त-दरुस्त है कि वह घंटों खेतों में काम भी करती है। सरस्वती बाई और द्वारका प्रसाद पाटीदार की बहुत कम उम्र में ही शादी हो गई थी। जब उनकी पहली संतान हुई तो वह बीमार पड़ गई। टाइफाइड हो गया आंतें सिकुड़ गई। कुछ भी खाती तो उसे हजम नहीं होता और उल्टी आ जाती। धीरे-धीरे उसकी तबीयत तो ठीक हो गई लेकिन उसे खाना नहीं पचता था। पति उनका कई जगह इलाज करवाया नहीं सब बेकार।

चाय और पानी पर जीवित हैं सरस्वती

सरस्वती ने खाना बिल्कुल ही छोड़ दिया और घूंट-घूंट पीने पर निर्भर हो गई फिर चाय भी उसे पचने लगी लेकिन खाना नहीं। अब सरस्वती का यही खाना बन गया। पानी और सुबह-शाम चाय बस। हफ्ते में एक बार केला खा लेती है। वहीं सरस्वती के बच्चे और पड़ोसियों का कहना है कि मां का भोजन अब चाय-पानी ही है जब उनसे पूछा जाता है कि क्या भूख नहीं लगी इस पर वह बस हंस कर न कर देती है। सरस्वती बाई के 5 बच्चे है लेकिन उन्होंने इस दौरान भी कभी अन्न का एक दाना मुंह नहीं लगाया। इसके बाद भी सरस्वती पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

कूड़े के ढेर से आ रही थी आवाज, जब लोगों ने देखा तो खुली रह गई आंखें

बीते रविवार को एक शख्स गांव के बाहर मौजूद सेप्टिक टैंक (खंडहर में तब्दील हो चुका है) के बगल से गुजर रहा था। तभी उसे एक बच्चे की रोने की आवाज सुनाई दी। जब उसने पास जाकर देखा तो लकड़ी, मिट्टी और झाड़ियों के बीच एक नवजात पड़ा हुआ था। उसने इसकी सूचना तुरंत गांव वालों की दी और देखते ही देखते वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि देखने से ऐसा लग रहा था कि वह प्रीमैच्योर है। इतना ही नहीं उसके बदन पर कोई कपड़ा तक नहीं था। उसके सिर में चोट भी लगी थी और उसका गर्भनाल भी बगल में पड़ा हुआ था। लोगों ने बच्चे को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया और पुलिस को भी इन्फॉर्म कर दिया। वहीं, सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने उस खंडहर की पूरी छानबीन की, लेकिन उनके हाथ कुछ भी नहीं लगा। अंदाजा लगाया जा रहा है कि खाली जगह देखकर किसी ने इस बच्चे को यहां फेंक दिया होगा। सीनियर पुलिस ऑफिसर फजरुद्दीन आरिफ का कहना था कि इस मामले में अभी तक हमें कोई सुराग नहीं मिला है और फिलहाल हम बच्चे की मां-बाप और परिजनों को ढूंढने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। फजरुद्दीन का कहना था कि हम बच्चे का डीएनए टेस्ट भी कराएंगे ताकी उसके मां-बाप को ढूंढने में हमें मदद मिल सके। फिलहाल, बच्चा हॉस्पिटल में भर्ती और डॉक्टर उसकी लगातार देखरेख में लगे हुए हैं।

दुनिया के ये है रोमांटिक प्लेस, जहां हनीमून मनाने जा सकते हैं कपल्स

हर किसी की ख्वाहिश होती है कि वह ऐसी जगह घूमने जाएं, जहां जाकर वह खूब इंज्वाय कर सकें और वहां की मीठी-मीठी यादें अपने मन में बसा सकें। लेकिन सबसे बड़ी असमंजस यह होती है कि आखिर किस जगह जाया जाए। तो आज हम आपको ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में बताने में जो कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट ऑपशनस है।

बेस्ट रोमांटिक प्लेसः-

- वेरोना

इटली एक ऐसी जगह है, जहां गलियों में हर तरफ प्यार ही बहता हैं। अगर आपकी अभी शादी हुई है तो आप इस जगह पर जा सकते है।

- पेरिस

फ्रांस के शहर पेरिस में आर्क द ट्रिम्फ और द एफिल टावर बेहद खूबसूरत और जानी मानी जगहों में से एक है। यहां के लग्जमबर्ग गार्डन और जार्दिन द लग्जमबर्ग भी अपनी खूबसूरती और रोमांस के लिए जाने जाते हैं।

- वैंकूवर

कनाडा के शहर वैंकूवर में घूमने का सही समय स्प्रिंग का मौसम माना जाता हैं। यहां आप अपने पार्टनर के हाथों में हाथ डाल कर शहर की खूबसूरती का नजारा ले सकते हैं।

- अल्हाम्ब्रा

स्पेन का शहर अल्हाम्ब्रा प्यार करने वालों के लिए सबसे अच्छी जगह माना जाता हैं। इस शहर में जहां आप प्रकृति के बेहद करीब आ जाते हैं, वहीं बार्सिलोना और मैड्रिड से ट्रेन लेकर पूरे रास्ते में खूबसूरत वादियों का मजा ले सकते हैं।

- लंदन

ब्रिटेन के शहर लंदन में घूमने के लिए कई सारी जगहें हैं। लेकिन लंदन आई में जाकर आप पूरे शहर की खूबसूरती को एक जगह बैठ कर ही देख सकते हैं।

- सैन फ्रांसिस्को

कैलिफोर्निया के शहर सैन फ्रांसिस्कोस में आकर अक्सर कप्लस प्यार में खो जाते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्य टलेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। झंझटों में न पड़ें। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। जोखिम न लें।

धनु
उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद से क्लेश होगा। शोक समाचार मिल सकता है। शरीर कष्ट संभव है।

वृष
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या
अज्ञात भय सताएगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर
प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनार्जन होगा। चिंता रहेगी।

मिथुन
घर में प्रसन्नता रहेगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नेत्र पीड़ा संभव है। धनार्जन होगा।

तुला
संपत्ति की खरीदी की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति होगी। वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ
शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मसम्मान बना रहेगा। घर में तनाव संभव है, धैर्य रखें। धनार्जन होगा।

कर्क
उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि होगी। धैर्य रखें।

वृश्चिक
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

मीन
यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।

ये हैं सबसे डरावने हाईवे, कभी भी हो सकता है मौत से सामना !

किसी न किसी सड़क या जगह पर कोई खौफनाक दुर्घटना होने के कारण वह जगह भूतिया या खौफनाक मानी जाने लगती है। जब लोग इन सड़कों के डरावने किस्से सुनते है तो वह यहां से गुजरना किसी खतरें से खाली नहीं समझते। अब यह बात सच है या नहीं, इसके बारे में कोई सहीं नहीं जानता है लेकिन लोगों की मानना है कि इन हाईवों पर गुजरना काफी डरावना है।आज हम आपको जिन हाईवों के बारे में बताने जा रहे, वह भी बड़ी ही खौफनाक और भूतिया सड़के कहलाती है।

क्लिनटन रोड, अमेरिका

अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थित इस हाईवे को अलग-अलग वजहों से खतरनाक माना जाता है। इस हाईवे से गुजरने वालों का कहना है कि यहां भूत और अजीबोगरीब जीव दिखते है। रात के वक्त इस सड़क से कम ही गाड़ियां गुजरती हैं और घने जंगलों की वजह से यह और डरावना हो जाता है।

रांची-जमशेदपुर NH33

इस हाईवे के बारे में लोगों का है कि यहां एक लंबे चौड़े कद वाली औरत की रूह भटकती है। जिस वजह से यहां ज्यादा हादसे होते हैं उनमें ज्यादातर लोगों की मौत हो जाती है!

मार्वे-मड आइलैंड रोड

यह हाईवे वी-रोड और मार्वे के बीच बना है। कुछ लोगों का कहना है कि उन्होंने यहां दुल्हन के लिबास में एक औरत रोती हुई दिखाई देती है। जिस कारण लोग यहां से गुजरने पर डरते हैं।

कसारा घाट- मुम्बई-नासिक हाईवे

कसारा घाट मुंबई और नासिक के बीच है। लोगों का कहना है कि यहां से गुजरते समय पेड़ पर एक बिना सिर वाली औरत बैठी दिखाई देती है जिस कारण रात में यहां से गुजरते समय लोगों को डर लगता है।

ब्लू क्रॉस रोडः- चेन्नई

यहां पर कई घटनाएं होने की खबरे आती है लोगों का कहना है कि उन लोगों की आत्मा यहां भटकती रहती है। अब यह कितना सच है ये कोई नहीं पता सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मिनटों में ठीक होगा माइग्रेन का दर्द, अपनाएं ये असरदार ट्रीटमेंट

बदलते और बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर लोगों को सिर में दर्द की शिकायत रहती है।सिर दर्द का सबसे बड़ा कारण है तनाव। यह समस्या केवल बढ़ती उम्र में ही नहीं बल्कि आजकल छोटे बच्चों में भी देखने को मिलती है। अगर यह परेशानी बार-बार हो तो यह माइग्रेन का रूप ले सकती है। माइग्रेन का दर्द सिर के आदे हिस्से में होता है। जो कई बार अहसनीय हो जाता है। कई लोग सिर दर्द के लिए कई पेन किलर आदि का सेवन करते है, जिससे कुछ समय के लिए तचो आराम मिल जाता है लेकिन इनका शरीर पर काफी प्रभाव दिखाई देता है। अपनी मर्जी से कोई भी पेन किलर लेने के बजाएं डॉक्टरी डांच करवाएं और इसका इलाज करें। नहीं तो आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर भी माइग्रेन के दर्द से छुटका-रा पा सकते है। हम आपको इन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे है, जिससे आपको काफी फायदा होता दिखाई देगा।

1. लौंग पाउडर

अगर सिर में ज्यादा ही दर्द हो रहा है तो तुरंत लौंग पाउडर में नमक मिलाकर दूध के साथ मिलाकर पिएं। ऐसा करने से सिर का दर्द झट से गायब हो जाएगा।

2. शहद

सिर के जिस तरफ दर्द हो रहा है उसके दूसरी तरफ कान में 1-2 बूंदे शहद की डालें। इससे सिर दर्द में राहत मिलेगी।

अगर सिर दर्द माइग्रेन की वजह से हो रहा है तो शहद की जगह देसी घी डालें।

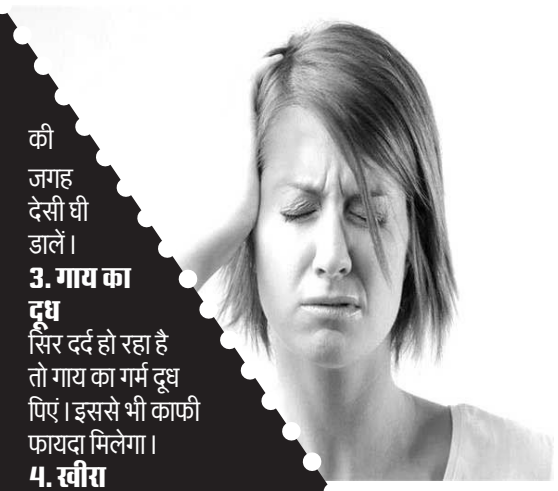

3. गाय का दूध

सिर दर्द हो रहा है तो गाय का गर्म दूध पिएं। इससे भी काफी फायदा मिलेगा।

4. खीरा

अगर सिर में ज्यादा दर्द हो रहा है तो खीरा काटकर उसकी स्लाइस को सिर पर रगड़ें या उसे सुंघे। इससे भी सिर का दर्द गायब हो जाएगा।

5. लहसुन

लहसुन की कुथ कलियों का पीसकर उसका रस निकालकर पिएं। इससे भी काफी फायदा मिलेगा।

पेट भरकर खाएं ये फूड्स, नहीं बढ़ेगा वजन

मोटापा किसी को भी अच्छा नहीं लगता। इससे कुछ लोग इतने परेशान हो जाते हैं कि खाना-पीना तक छोड़ देते हैं और सारा दिन डाइटिंग के पीछे ही रहते हैं। अगर आपको भी यही लगता है कि खाना-पीना बिल्कुल छोड़ देने से आप पतले हो जाएंगे तो आप गलत हैं। ऐसा कुछ नहीं होगा बल्कि खाना-पीना छोड़ देने से आपका शरीर अंदरूनी रूप से कमजोर हो जाएगा। इसकी जगह आपको ऐसी डाइट लेनी चाहिए जो प्रोटीन और फाइबर जैसे जरूरी तत्वों से भरपूर हो। दरअसल दूध से बनी चीजें, अंडे जैसे हाई प्रोटीन खाद्य पदार्थ पूरा दिन एक्स्ट्रा कैलोरी का सेवन कम करने में मदद करते हैं और इससे पेट ज्यादा देर तक भरा भी रहता है, जिससे जल्दी भूख का एहसास नहीं होता और डाइटिंग करने की भी जरूरत नहीं पड़ती।

1. उबले आलू

आलू में स्टार्च ज्यादा मात्रा में होता है, इसके अलावा इसमें विटामिन, फाइबर न्यूट्रीशियंस जैसे जरूरी तत्व भी शामिल होते हैं। उबले आलू का प्रतिरोधी स्टार्च नियमित स्टार्च की तुलना में कैलोरी से भी भरपूर है जो ओवर ईटिंग से बचाए रखता है। वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो तले हुए आलू और चिप्स को छोड़कर उबले आलू का सेवन करें।

2. ओटमील

ओटमील में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है। ज्यादातर लोग इसे नाश्ते में खाना पसंद करते हैं। इसमें मौजूद फाइबर, काबोर्हाइड्रेट पाचन क्रिया को धीमी करते हैं जिससे पेट सारा दिन भरा रहता है। इससे कैलोरी का सेवन भी ज्यादा नहीं करना पड़ता।

3. अंडे

अंडे की जर्दी में एमीनो एसिड पाया जाता है। नाश्ते में उबले अंडे खाने से लंबे समय तक पेट संतुष्ट रहता है। एक्स्ट्रा कैलोरी खाने से भी बचाव रहता है और शरीर को पोषक तत्व भी मिलते हैं। अंडे का आमलेट खाने की बजाय उबले अंडे का सेवन करना बेहतर है।

4. सेब

स्वस्थ आहार का सबसे जरूरी हिस्सा फल हैं। आप रोजाना सेब का सेवन करके भी हाई कैलोरी के सेवन से बचे रह सकते हैं। सेब में घुलनशील फाइबर ज्यादा और कैलोरी कम होती है जो बढ़ते वजन को कंट्रोल करने का काम करता है। एंटीऑक्सीडैंट से भरपूर यह फल मैटाबॉलिज्म बढ़ाने का भी काम करता है।

5. सूप

ब्रोथ सूप यानी जिसमें चिकन और वैजीटेबल दोनों का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन के अलावा बाकी सारे जरूरी तत्व भी भरपूर मात्रा में शामिल होते हैं। खाने से पहले सूप पीने से आप ज्यादा कैलोरी का सेवन करने से बच सकते हैं।

6. खट्टे फल

फलों में फाइबर के साथ पानी की मात्रा भी होती है। इसके अलावा इसमें फाइबर, विटामिन सी कैलोरी को कम करने का काम करते हैं। संतरा, चकोतरा और अंगूर जैसे फलों का सेवन करने से शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है।

7. फलियां

फलियां यानी मटर, दालें, बींस में फाइबर ज्यादा लेकिन कैलोरी कम होती है। इसके साथ ही आपको हर तरह के जरूरी न्यूट्रीशियंस भी इनसे मिलते हैं।

8. पनीर

विटामिन बी, कैल्शियम, फास्फोरस और अन्य हैल्दी न्यूट्रीशियंस युक्त पनीर में कैलोरी की मात्रा कम होती है।

इसे खाने के बाद आपको लम्बे समय तक भूख नहीं लगती है। इसी कारण इसे वजन कम करने वाले फ्रैंडली फूड की लिस्ट में रखा गया है।

बच्चों ही नहीं महिलाओं के लिए भी जरूरी है Baby Oil

बेबी ऑयल का इस्तेमाल छोटे बच्चों की स्किन और बालों को हैल्दी बनाने के लिए किया जाता है। बेबी ऑयल सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं बल्कि महिलाओं के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। महिलाओं की अलग-अलग परेशानियों के लिए बेबी ऑयल इस्तेमाल में ला सकते हैं। आइए जानिए इससे मिलने वाले फायदों के बारे में

1. स्ट्रैच मार्क्स

प्रैग्नेंसी के बाद महिलाओं के पेट पर स्ट्रैच मार्क्स पड़ जाते हैं जिन्हें साफ करने के लिए बेबी ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए हर रोज रात को सोने से पहले पेट पर बेबी ऑयल लगा कर सोएं। कुछ ही दिनों में इससे राहत मिलेगी।

2. रूखे-सूखे बाल

कुछ महिलाओं के बाल बहुत ही रूखे होते हैं। ऐसे में किसी टिशू पेपर में थोड़ा-सा बेबी ऑयल लेकर बालों में लगाएं। इससे बाल ऑयली भी नहीं होंगे और चमक भी आ जाएगी।

3. बॉडी मसाज

बेबी ऑयल से शरीर की मालिश करने से थकान भी उतर जाती है और त्वचा भी कोमल होती है। मालिश के अलावा नहाने के पानी में भी बेबी ऑयल की 3-4 बूंदे मिलाकर नहा सकते हैं।

4. लंबे और मजबूत नाखुन

महिलाओं को लंबे नाखुन बहुत पसंद होते है लेकिन घर का काम करने से नाखुन कमजोर हो जाते हैं और टूटने लगते हैं। ऐसे में रोजाना रात को सोने से पहले बेबी ऑयल से नाखुनों की मालिश करें।

5. फटी एड़ियां

फटी एड़ियों से छुटकारा दिलाने के लिए भी बेबी ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए रात को सोने से पहले पैरों को अच्छी तरह धोकर पौंछ लें और एड़ियों पर ऑयल से मसाज करें। कुछ दिनों तक लगातार ऐसा करने से एड़ियां कोमल हो जाएंगी।

6. फटे होंठ

इसके लिए 2 बूंद बेबी ऑयल में थोड़ी-सी चीनी और 2-3 बूंदे नींबू के रस की मिलाकर इससे होंठों पर स्क्रब की तरह इस्तेमाल करें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कोहली ने किया साफ, पल्लेकेल टेस्ट में जडेजा की जगह लेंगे कुलदीप यादव

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले दो मैच जीत चुकी है। आज भारतीय टीम तीसरा टेस्ट खेलने उतरेगी, जहां उसके पास एक ऐसा इतिहास रचने का मौका होगा, जो पहले कभी नहीं हुआ है। कपिल देव, सौरव गांगुली, एमएस धोनी, अजहरुद्दीन जैसे कप्तान भी यह उपलब्धि हासिल नहीं कर सके हैं। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के आखिरी टेस्ट के लिए चाइनामैन कुलदीप यादव के लिए अच्छे संकेत दिए हैं। पल्लेकल में 12 अगस्त से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट की पूर्वसंध्या पर विराट ने कुलदीप पर विश्वास व्यक्त किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि कुलदीप किसी भी परिस्थिति में गेंदबाजी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट में उन्होंने खुद को साबित किया था। उनके लिए कल से शुरू हो रहे टेस्ट में खेलने का अच्छा मौका है। रवींद्र जडेजा पर एक टेस्ट के बैन के बाद फैंस उनकी जगह 22 साल के कुलदीप को देने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

विराट ने कहा कि मैच से एक दिन पहले खराब मौसम के कारण अभ्यास नहीं कर पाने के बावजूद हमारी टीम सहज महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि युवा खिलाड़ियों को टीम में खेलने का मौका मिल रहा है। इन खिलाड़ियों का मजबूत पहलू उनका आत्मविश्वास है।

बैडमिंटन रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुंचे भारत के एचएस प्रणय

नई दिल्ली। भारतीय शटलर एचएस प्रणय विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) की ताजा रैंकिंग में दो स्थानों की छलांग लगाकर पंद्रहवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पिछले महीने यूएस ओपन जीतने वाले प्रणय पिछले सप्ताह ऑकलैंड में न्यूजीलैंड ग्रां प्रि के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंचे थे। इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे शटलर सौरभ वर्मा भी पांच स्थानों की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर और पारूपल्ली कश्यप एक स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर आ गए हैं। अजय जयराम और समीर वर्मा एक-एक स्थान नीचे खिसककर क्रमशः 17वें और 29वें स्थान पर हैं जबकि एक के बाद एक इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया ओपन जीतने वाले किदांबी श्रीकांत आठवें स्थान पर बने हुए हैं। महिलाओं के सिंगल्स में ओलंपिक की रजत पदक विजेता पीवी सिंधू पांचवें और ओलंपिक की कांस्य विजेता साइना नेहवाल 16वें स्थान पर कायम हैं। महिलाओं के डबल्स में सैयद मोदी ग्रां प्रि में रनर अप रही अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी 25वें स्थान पर हैं।

20 की उम्र तक पता नहीं था क्या होता है लेदर बॉल : उमेश

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंजबाज उमेश यादव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने के सात साल बाद बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि जब 20 वर्ष की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने आगाज किया था, तो उन्हें लाल रंग की एसजी टेस्ट गेंद से खेलने का अंदाजा नहीं था। अब तक 33 टेस्ट और 70 वनडे खेल चुके उमेश यादव ने कहा, आप बचपन से क्रिकेट खेल रहे हो। तो आपको खेल के बारे में काफी चीजें पता चल जाती हैं। लेकिन अगर आपको अचानक कुछ अलग चीज करने को कहा जाए, तो आपके लिए मुश्किल हो सकती है।' टेस्ट में 92 और वनडे में 98 विकेट हासिल कर चुके इस पेसर ने कहा, 'मैंने टेनिस और रबड़ की गेंद से खेलना शुरू किया और जब तक मैं 20 साल का नहीं हो गया, तब तक मैंने क्रिकेट में आमतौर पर इस्तेमाल की जानी वाली गेंद नहीं पकड़ी थी। एक तेज गेंदबाज के लिए यह काफी देर से हुआ था। इसलिए जब ऐसा हुआ, तो मुझे नहीं पता था कि इस गेंद से क्या करूं।' और इसके साथ गेंदबाजी करने को समझने में उन्हें करीब दो साल लग गए। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता था कि गेंद को कहां पिच करूं, पहले दो वर्षों में मैं यह नहीं समझ सका कि कब गेंद बाहर जाएगी और कब यह अंदर या फिर सीधी जाएगी।'

पिछले 12 महीने के अपने प्रदर्शन से उमेश ने उन आलोचकों को चुप कर दिया है जो उनकी लाइन एवं लेंथ को लेकर कई बार आलोचनाएं करते रहे थे। इतनी आलोचनाओं के बावजूद इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपनी रफ्तार से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा, मैं हमेशा तेज गेंदबाजी करना चाहता था। जैसे-जैसे मैं बड़ा हुआ, मैंने तेज गेंदबाजी के बारे में काफी चीजें सीखीं। मैं जिस जगह से आता हूं, वह तेज गेंदबाजों को पैदा करने के लिए मशहूर नहीं है। यादव ने कहा, मैं जानता था कि ऐसे कई गेंदबाज थे, जो 130-135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे। मैं जानता था कि अगर आप हर गेंद 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से करोगे, तभी आप कुछ अलग हो सकते हो और तभी आपको मौका मिल सकता है।'

यूरोप दौरे पर लगातार दूसरा मैच हारी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिये मौजूदा यूरोप दौरे पर बेल्जियम चरण का अंत लगातार दूसरी हार के साथ हुआ जब मेजबान ने बूम में उसे दूसरे मैच में 3-1 से शिकस्त दी। बेल्जियम ने 1 गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा मुकाबला जीता। इससे पहले बुधवार को शुरूआती मैच बेल्जियम ने एक गोल से जीता था। भारत के युवा गोलकीपर सूरज करकेरा ने पहले कुछ मिनटों में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम को गोल नहीं करने दिया। भारत ने इस दौरे पर युवा टीम उतारी है और

सीनियर राष्ट्रीय टीम में 6 खिलाडयिों को पदार्पण का मौका दिया है। भारत ने शुरूआत अच्छी की और चौथे ही मिनट में अरमान कुरैशी ने शानदार गोल किया। भारत को बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला, लेकिन पेनल्टी कार्नर पर गोल नहीं हो सका। भारतीयों ने हालांकि बेल्जियम के गोलकीपर विंसेंट वानाश को लगातार व्यस्त रखा। कुरैशी ने लगातार 2 बार हमले बोले, लेकिन वानाश चुनौती के लिये तैयार थे और उन्होंने कोई गोल नहीं होने दिया। भारत की यह बढत ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी और 5 मिनट बाद बेल्जियम ने बराबरी की। उसके लिये अमौरी कायस्टर्स ने नौवें मिनट में बराबरी का गोल दागा।

बीसीसीआइ पर फूटा श्रीसंत का गुस्सा कहा

'खुदा से उपर नहीं हो तुम'

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर एस श्रीसंत का एक बार फिर से क्रिकेट मैदान पर उतरना आसान नजर नहीं आ रहा। बीसीसीआइ ने कहा है कि वो एक बार फिर से केरल हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। बीसीसीआइ के इस बयान के बाद श्रीसंत का गुस्सा सातवें आसमान पर आ गया और उन्होंने ट्विटर के जरिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड को करारा जवाब दिया। 34 वर्षीय इस तेज गेंदबाज ने अपने ट्वीट में कहा कि मैं बीसीसीआइ से भीख नहीं मांग रहा हूं। मैं सिर्फ अपनी अपना जायज हक वापस मांग रहा हूं। ये मेरा अधिकार है। तुम खुदा से उपर नहीं हो। मैं एक बार फिर से खेलूंगा।

श्रीसंत यहीं नहीं रुके उन्होंने एक और ट्वीट किया और लिखा कि बीसीसीआइ की तरफ से ये काफी गलत किया जा रहा है। जिस खिलाड़ी को बार-बार निर्दोश करार दिया गया उसके साथ ऐसा कैसे कर सकते हो। मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम ऐसा क्यों कर रहे हो। आपको बता दें कि वर्ष 2013 आइपीएल के दौरान स्पॉट फिक्सिंग में शामिल होने के आरोप के बाद बीसीसीआइ ने श्रीसंत पर लाइफ टाइम बैन लगा दिया था। इसके बाद पिछले महीने केरल हाई कोर्ट के सिंगल बेंच जज ने एक आदेश दिया जिसमें कहा गया कि उनके लाइफ टाइम बैन को हटाया जाए। वहीं दूसरी तरफ बीसीसीआइ अपने स्टैंड पर कायम है और ये नहीं चाहती कि इस खिलाड़ी की मैदान पर जल्द वापसी हो। श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट, 53वनडे और 10 टी 20 मैच केले थे। उन्होंने भारत के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला अगस्त 2011 में खेला था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नेहा धूपिया की गाड़ी का एक्सीडेंट

मदद के बजाय ऑटोग्राफ मांगते रहे लोग

नेहा धूपिया अपने शो 'नो फिल्टर नेहा' के सीजन-2 के प्रमोशन के सिलसिले में शुक्रवार को चंडीगढ़ पहुंची थीं, जहां उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। नेहा धूपिया के साथ यह दुर्घटना चंडीगढ़ में लगभग 2 बजे के करीब हुई। एक्सीडेंट की वजह से वहां भयंकर जाम लग गया और नेहा लगभग आधे घंटे तक वहां फंसी रहीं। बाताया जा रहा है कि इस हादसे में नेहा धूपिया या उनकी टीम के किसी सदस्य को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। नेहा को सिर्फ कंधे में दर्द की शिकायत है। अच्छी बात यह है कि इस दुर्घटना में उन्हें या उनकी टीम को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। हालांकि इसकी वजह से नेहा काफी सदमें में रहीं। इस पर भी सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात ये रही कि दुर्घटना के दौरान भी लोग मदद करने की बजाय उनके साथ सेल्फी खिंचवाने और ऑटोग्राफ लेने के लिए जुटे रहे। बता दें 2016 में नेहा ने पॉडकास्ट पर इस शो की शुरूआत की थी।

इसमें वह बॉलीवुड सेलिब्रिटीज का इंटरव्यू लेती हैं और उनकी जिंदगी से जुड़े अनकहे किस्से सामने लाने की कोशिश करती हैं। शो को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इसी साल इसके सीजन-2 की शुरूआत की गई

फिर से करण और काजोल में हुई दोस्ती

बॉलीवुड में एक समय था जब काजोल और करण जौहर की दोस्ती कि मिसाल दी जाती थी लेकिन पिछले कुछ समय से इन दोनों में कोल्ड वॉर चल रही थी। हाल ही में काजोल ने लंच पार्टी रखी थी, जिसमें उन्होंने कुछ खास फ्रैंडस को ही इनवाइट किया था। उसमें से एक नाम करण का भी था। करण ने उनका ये नयौता दिल से स्वीकार किया। लंच के दौरान दोनों को गले मिलते देखा गया और वह काफी समय तक बातचीत करते रहे। इससे ये ही पता लगता है कि करण और काजोल की दोस्ती एक बार फिर से हो गई है। बता दें कि रक्षाबंधन के मौके पर करण ने अपने दोनों बच्चों की तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर की थी जिसे काजोल ने लाइक भी किया था। करण ने भी अब काजोल को इंस्टा पर फॉलो कर लिया है।

जब जैकलीन ने सरेआम सलमान के लिए कह दी इतनी बड़ी बात

बॉलीवुड एक्ट्रैस जैकलीन फर्नांडिस आज 32 साल की हो गई हैं। जैकलीन ने बतौर मॉडल अपने कॅरियर की शुरूआत की थी। इसके अलावा उन्होंने 2006 में मिस यूनिवर्स श्रीलंका का खिताब भी जीता। इसके बाद जैकलीन ने 2009 में एक मॉडलिंग शो के सिलसिले में भारत आईं। यहां उन्होंने अमिताभ बच्चन और रितेश देशमुख की फिल्म अलादिन के लिए ऑडिशन दिया और सेलेक्ट हो गईं। यह जैकलिन की डेब्यू फिल्म थी और अब वह बड़ी स्टार हैं। एक इंटरव्यू में जैकलिन ने बताया कि ह्यमुझे असली इंसान चाहिए। हमारी दुनिया के कई लोग नकली हैं और झूठ बोलते हैं। मैं तो एक ईमानदार इंसान की तलाश में हूं, जो रियल हो। बस इतना जरूर चाहती हूं कि उसे खाना बनाना आता हो। वैसे इंडस्ट्री में सोनम कपूर और उनकी फैमिली, वरुण धवन और उनकी फैमिली और सलमान खान। ये सच्चे लोग हैं। इसके साथ ही जैकलीन एक किस्से को बताती हुई कहती हैं, मुझे पता है मैं बहुत हंसती हूं। जब मैं सलमान खान से पहली बार मिली थी, तब भी हंस रही थी और उनका कहना था तुम्हारा नाम मुस्कान होना चाहिए।